दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Asli Azadi Dainik @AsliAzadiDainik   asliazadidainikofficial

असली आज़ादी

The Voice of Union Territory Dadra and Nagar Haveli and Daman-Diu Since 2005   www.asliazadi.com

■ वर्षः 21, अंकः 170 ■ दमण, गुरुवार 26, मार्च 2026 ■ पृष्ठः 8 ■ मूल्यः 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात में यूसीसी विधेयक पारित होने पर मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल को बधाई दी

■ देश में हर नागरिक के लिए एक समान कानून हो, यह हमारी पार्टी की सरकार की स्थापना से ही संकल्प रहा हैः अमित शाह ■ मोदी जी के नेतृत्व में हमारी पार्टी की राज्य सरकारें इस दिशा में निरंतर आगे बढ़ रही हैंः गृह मंत्री अमित शाह ■ मुझे हर्ष है कि उत्तराखंड के बाद अब गुजरात ने भी समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक पारित करने का ऐतिहासिक कार्य कर अपनी प्रतिबद्धता दर्शाई हैः गृह मंत्री अमित शाह ■ देश तुष्टीकरण के आधार पर नहीं, बल्कि सभी नागरिकों के लिए समान कानून से चले, यह हमारी प्राथमिकता भी है और संकल्प भी हैः गृह मंत्री अमित शाह

पीआईबी, नई दिल्ली 25 मार्च। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुजरात में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक पारित होने पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल और इस बिल को समर्थन देने वाले सभी विधायकों को बधाई दी। एक्स पर जारी एक पोस्ट मे अमित शाह ने कहा कि देश में हर नागरिक के लिए एक समान कानून हो, यह हमारी पार्टी की सरकार की स्थापना से ही संकल्प रहा है। मोदी जी के नेतृत्व में हमारी पार्टी की राज्य सरकारें इस दिशा में निरंतर आगे बढ़ रही हैं। मुझे हर्ष है कि उत्तराखंड के बाद अब गुजरात ने भी समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक पारित करने का ऐतिहासिक कार्य कर अपनी प्रतिबद्धता दर्शाई है। इसके लिए मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र पटेल और इस बिल को समर्थन देने वाले सभी विधायकों को बधाई देता हूँ। देश तुष्टीकरण के आधार पर नहीं, बल्कि सभी नागरिकों के लिए समान कानून से चले, यह हमारी प्राथमिकता भी है और संकल्प भी है।

नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः।
न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारुतः॥

પ્રથમ પુણ્યતિથિએ શ્રદ્ધાંજલિ

સ્વ. અખ્ખુભાઈ નમલાભાઈ પટેલ

(જન્મ.: 02–06–1949 સ્વ. તા. 26–03–2025)

આપની આકસ્મિક વિદાયથી અમારા સૌના દિલને હચમચાવી ગયા.
પલભરમાં અમને નિરાધાર બનાવી ગયા. આપની હયાતીની અમોને
ખૂબ જ જરૂર હતી. આપે જીવનભર સખત પરિશ્રમ કર્યો.
શૂન્યમાંથી સર્જન કરી પરિવાર માટે ફૂલોની ચાદર બિછાવી ગયા.
પરિવારના કલ્યાણને જ પોતાનું ધ્યેય બનાવી જીવ્યા.
પોતે કષ્ટ વેઠી અમને સુખ આપી ગયા અમારી આંખો સતત તમોને શોધે છે.
આપ જ્યાં પણ હશો પરમ કૃપાળુ પરમાત્મા આપના દિવ્ય આત્માને પરમ
સુખ–શાંતિ અર્પે એજ પ્રાર્થના.

લિ.

સવિતાબેન અખ્ખુભાઈ પટેલ (પત્ની)

કેયુર અખ્ખુભાઈ પટેલ (પુત્ર)	વૈશાલી કેયુર પટેલ (પુત્રવધુ)
મિતેશ અખ્ખુભાઈ પટેલ (પુત્ર)	ફોરમ મિતેશ પટેલ (પુત્રવધુ)
હિમાંશુ ડાહ્યાભાઈ પટેલ (જમાઈ)	નિરંજના અખ્ખુભાઈ પટેલ (પુત્રી)
ધ્યેયા હિમાંશુ પટેલ (દોહિત્રી)	વૈષ્ણવી કેયુર પટેલ (પૌત્રી)

જતન મિતેશ પટેલ (પૌત્રી)

સ્થળ: બંગલા નં. ૧, દત્ત સાગર, એરપોર્ટ રોડ, મશાલ ચોક, નાની દમણ.

दमण के मीरासोल रिसोर्ट में आयोजित हुई 24वीं यूटीएलबीसी की बैठक

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 25 मार्च।

24वीं यूटीएलबीसी (Union Territory Level Bankers Committee) बैठक का आयोजन आज दमण के मीरासोल रिसोर्ट में किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता ललित त्यागी, कार्यकारी निदेशक, बैंक ऑफ बडौदा और प्रशासक के सलाहकार अंकुर गर्ग द्वारा संयुक्त रूप से की गई। इस बैठक में अमरेश रंजन, क्षेत्रीय निदेशक, आरबीआई, डॉ. विवेक कुमार, विशेष सचिव (वित्त), के. के. सिंह, महाप्रबंधक, बैंक ऑफ बड़ौदा, देवेंद्र डी. बोंडे, उप महाप्रबंधक, आरबीआई, देवेश परमार, उप महाप्रबंधक, नाबार्ड, ललित बार्डिया, उप महाप्रबंधक, बैंक ऑफ बड़ौदा, विभिन्न बैंकों के नियंत्रक प्रमुख एवं संघ प्रदेश प्रशासन के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान विभिन्न महत्वपूर्ण सुझावों एवं कार्य बिंदुओं पर विचार-विमर्श कर उन्हें अंतिम रूप दिया गया। इस दौरान कई मुख्य सुझाव दिये गये। जिसमें कृषि एवं निर्यात समर्थन के तहत यूटीएलबीसी संयोजक (बैंक ऑफ बड़ौदा) द्वारा बैंकों से सुझाव प्राप्त कर कृषि एवं निर्यात ऋण हेतु एक व्यापक कार्ययोजना तैयार की जाएगी, जिसे आरबीआई के समन्वय से प्रस्तुत किया जाएगा। इसमें कृषि यंत्रीकरण, धान से वस्त्र लिंक, मछली प्रसंस्करण हेतु वित्त, मत्स्य केसीसी का पूर्ण संतृप्ति जैसे क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया गया। एमएसएमई एवं सामाजिक सुरक्षा के तहत यह निर्णय लिया गया कि प्रत्येक एमएसएमई ऋण को कर्मचारियों के लिए अटल पेंशन योजना से जोड़ा जाएगा, जिससे सामाजिक सुरक्षा को सुदृढ़ किया जा सके। जिन बैंकों का सीडी अनुपात 60% से कम है (उदाहरणतः एसबीआई), उन्हें एक तिमाही के भीतर सुधारात्मक कार्य योजना प्रस्तुत करनी होगी। फार्मा (दमण), याम (दानह) एवं समुद्री उत्पाद (दीव) जैसे क्षेत्रों में वितरित ऋण एवं निर्धारित लक्ष्य के बीच अंतर को ध्यान में रखते हुए निर्यात ऋण को बढावा देने हेतु विशेष प्रयास किये जाएंगे। दीव हेतु विशेष रणनीतियां बनाई गई। जिसमें 90 दिनों के लिए विशेष टीमों की तैनाती कर मत्स्य केसीसी का पूर्ण संतृप्ति सुनिश्चित किया जाएगा तथा 250 बस्तियों में 250 से ज्यादा नए लाभार्थी जोडे जाएंगे। 150 पर्यटन व्यवसायों (जैसे होमस्टे, झोपड़ियां और जल क्रीड़ाएं) के लिए एक विशेष ऋण योजना शुरू की जाएगी, जिसके अंतर्गत निर्माण एवं कार्यशील पूंजी हेतु ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। अवसंरचना एवं प्रशिक्षण के तहत कम से कम एक अतिरिक्त आरसेटी (RSETI) (उदाहरणतः एसबीआई द्वारा प्रायोजित) स्थापित किया जाएगा। 1000 से अधिक व्यक्तियों को तटीय सूक्ष्म व्यवसायों में प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इन पहलों को मुद्रा ऋण से जोड़ा जाएगा, जिससे उद्यमिता को प्रोत्साहन मिले। महिला सशक्तिकरण पर जोर देते हुए क्लस्टर आधारित दृष्टिकोण अपनाते हुए 100% स्वयं सहायता समूह ऋण लिंकिंग, डिजिटल ऑनबोर्डिंग सुनिश्चित की जाएगी। महिला व्यवसाय प्रतिनिधियों की संख्या बढाकर 30% NSFI लक्ष्य प्राप्त किया जाएगा। वित्तीय साक्षरता एवं सुरक्षा बावत डिजिटल भुगतान एवं साइबर सुरक्षा हेतु यूटीएलबीसी की एक उप-समिति गठित की जाएगी। ग्राहकों को जागरूक करने के लिए पुनः-केवाईसी (re-KYC) अनुपालन एवं अप्राप्त जमा (Unclaimed Deposits) से संबंधित मुद्दे पर अभियान चलाए जाएगा।

दमण-दीव सांसद उमेश पटेल ने दिवालियापन एवं दिवालिया संहिता (संशोधन) विधेयक 2025 पर लोकसभा में रखे विचार

■ सांसद उमेश पटेल ने विधेयक के कई सकारात्मक पहलुओं की सराहना कीः विधेयक से जुडे कई मुद्दों को उठाते हुए सुझाव भी दिये

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली 25 मार्च। दमण-दीव सांसद उमेश पटेल ने आज लोकसभा में दिवालियापन एवं दिवालिया संहिता (संशोधन) विधेयक 2025 पर चर्चा के दौरान अपने विचार रखते हुए विधेयक के विभिन्न पहलुओं पर संतुलित एवं दूरदर्शी दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि इस विधेयक का उद्देश्य देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करना, बैंकिंग प्रणाली को सुरक्षित रखना तथा निवेशकों का विश्वास बनाए रखना है-जिसका वे समर्थन करते हैं। उन्होंने विधेयक के कई सकारात्मक पहलुओं की सराहना करते हुए कहा कि समयबद्ध समाधान प्रक्रिया को सशक्त बनाने का प्रयास, लेनदार-संचालित तंत्र को मजबूत करना, एनसीएलटी/एनसीएलएटी की कार्यक्षमता में सुधार, ईज ऑफ डुइंग बिजनस को बढावा ये सभी कदम भारत की आर्थिक संरचना को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण हैं। हालांकि सांसद उमेश पटेल ने विधेयक से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों को भी उठाया। जिसमें छोटे सप्लायर, एमएसएमई और परिचालन लेनदार के हितों की पर्याप्त सुरक्षा, दिवालियापन मामलों में हो रहे अत्यधिक विलंब (300-400 दिन तक), 70-80% तक के haircuts, जिससे value destruction की आशंका, पूर्व-पैकेज्ड दिवालियापन में पारदर्शिता और निष्पक्षता के सवाल, कर्मचारियों और श्रमिकों के भविष्य की अनिश्चितता शामिल हैं। सांसद उमेश पटेल ने सरकार के समक्ष ठोस सुझाव रखते हुए कहा कि एमएसएमई और ऑपरेशनल क्रेडिटर्स के लिए न्यूनतम गारंटीकृत भुगतान तंत्र लागू किया जाए, एनसीएलटी में न्यायाधीशों एवं तकनीकी सदस्यों की संख्या बढ़ाई जाए, समाधान प्रक्रिया में सख्त जवाबदेही और ऑडिट प्रणाली लागू हो, haircuts पर स्पष्ट औचित्य ढाँचा या सीमा निर्धारित की जाए, कर्मचारियों के हितों की रक्षा हेतु विशेष सुरक्षा कोष बनाया जाए जैसे शामिल हैं। अपने वक्तव्य के अंत में सांसद उमेश पटेल ने कहा कि कानून ऐसा होना चाहिए जो केवल बैंकों को नहीं, बल्कि छोटे उद्योगों, कामगारों और पूरे आर्थिक तंत्र को बचाए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वे इस विधेयक का विरोध नहीं कर रहे हैं, बल्कि इसे और अधिक न्यायसंगत, पारदर्शी एवं संतुलित बनाने के उद्देश्य से अपने सुझाव रख रहे हैं।

ज्ञान भारतम् मिशन के अंतर्गत पांडुलिपियों के संरक्षण हेतु राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण एवं जनसहभागिता

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 25 मार्च। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय की प्रमुख पहल ज्ञान भारतम् मिशन के अंतर्गत देश की समृद्ध पांडुलिपि धरोहर की खोज, अभिलेखीकरण, संरक्षण एवं डिजिटलीकरण के लिए राष्ट्रव्यापी प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में 16 मार्च 2026 से पांडुलिपि भंडारों का राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण प्रारंभ किया गया है। इस सर्वेक्षण का उद्देश्य सरकारी एवं निजी विश्वविद्यालयों, पुस्तकालयों, मंदिरों, मठों, संस्थानों तथा निजी संरक्षकों के पास उपलब्ध पांडुलिपियों का दस्तावेजीकरण करना है। यह पहल पूर्णतः शैक्षणिक, गैर-हस्तक्षेपकारी तथा दस्तावेजीकरण आधारित है, जिसमें संरक्षकों के स्वामित्व, संस्थागत स्वायत्तता एवं स्थानीय संवेदनशीलताओं का पूर्ण सम्मान सुनिश्चित किया जाता है। सभी नागरिकों, संस्थानों, शोधकर्ताओं एवं पांडुलिपि संरक्षकों से अनुरोध है कि वे अपने पास उपलब्ध पांडुलिपियों की जानकारी साझा करें तथा उन्हें राष्ट्रीय डिजिटल भंडार में अपलोड करने हेतु आगे आएं। सर्वेक्षण प्रक्रिया में संलग्न अधिकृत सर्वेक्षकों को पूर्ण सहयोग प्रदान करें। भारत की समृद्ध ज्ञान परंपरा के संरक्षण हेतु इस महत्वपूर्ण पहल में सक्रिय भागीदारी निभाएं। यह पहल भारत की पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों के संरक्षण एवं उन्हें भावी पीढ़ियों के लिए सुलभ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अधिक जानकारी हेतु संबंधित व्यक्ति कार्यालय, निदेशक-सह-संयुक्त सचिव, कला एवं संस्कृति/पर्यटन विभाग, चौथी मंजिल, विद्युत भवन, सचिवालय दमण से दूरभाष क्रमांक 0260-2250002 पर संपर्क कर सकते हैं।

अजित पवार प्लेन क्रैश में एफआईआर

बेंगलुरु (एजेंसी)। महाराष्ट्र के बारामती में हुए विमान हादसे में डिप्टी सीएम अजित पवार की मौत के मामले में बेंगलुरु में जीरो एफआईआर दर्ज की गई है। एफआईआर उनके भतीजे और एनसीपी (एसपी) विधायक रोहित पवार की शिकायत पर दर्ज हुई है। उन्होंने हादसे को आपराधिक साजिश बताया है। उन्होंने एफआईआर में 5 मुख्य आरोप लगाए हैं। रोहित ने कहा कि उन्होंने मुंबई के मरीन ड्राइव पुलिस स्टेशन, बारामती पुलिस और महाराष्ट्र सीआईडी से संपर्क किया, लेकिन कहीं भी एफआईआर दर्ज नहीं की गई। इसके बाद उन्होंने 23 मार्च को बेंगलुरु में जीरो पर एफआईआर दर्ज कराई। जहां अपराध हुआ है उसे छोड़कर देश के किसी भी थाने में उस अपराध की एफआईआर दर्ज कराई जाती है तब उसे जीरो एफआईआर कहते हैं। इसे फिर संबंधित थाने में ट्रांसफर कर दिया जाता है। कर्नाटक पुलिस ने केस दर्ज कर इसे महाराष्ट्र पुलिस को ट्रांसफर कर दिया है। दरअसल, 28 जनवरी को बारामती एयरपोर्ट पर प्लेन क्रैश में अजित पवार समेत 5 लोगों की मौत हुई थी।

बिलासपुर में बर्ड फ्लू के प्रकोप ने बढ़ाई प्रशासन की चिंता, रोकथाम की कार्रवाई शुरू

-संक्रमण के कारण 4,400 मुर्गियों की मौत, 10 किमी तक की जा रही निगरानी

बिलासपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में बर्ड फ्लू के प्रकोप ने प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। कोनी इलाके में स्थित एक सरकारी पोल्ट्री फार्म में पिछले कुछ दिनों 4,400 से ज्यादा मुर्गियों की मौत हो गई। रिपोर्ट में संक्रमण की पुष्टि होने के बाद जिला प्रशासन ने युद्धस्तर पर रोकथाम की कार्रवाई शुरू की। पशु चिकित्सा विभाग के संयुक्त निदेशक ने बताया कि 19 से 24 मार्च के बीच कोनी इलाके में स्थित सरकारी पोल्ट्री फ़ार्म में वायरल संक्रमण के कारण करीब 4,400 मुर्गियों की मौत हो गई। इस फ़ार्म में कुल 5,037 मुर्गियां थीं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारी ने बताया कि मृत पक्षियों के सैंपल सोमवार को भोपाल और पुणे की लैब में भेजे गए थे। भोपाल की लैब ने मृत मुर्गियों में एवियन इन्फ्लूएंज़ा (बर्ड फ्लू) की पुष्टि हुई है। आधिकारिक बयान के मुताबिक पुष्टि होने के बाद जिला कलेक्टर संजय अग्रवाल ने एवियन इन्फ्लूएंज़ा की रोकथाम और नियंत्रण के लिए रोकथाम और बचाव के लिए तत्काल निर्देश जारी किए हैं। बयान में कहा गया है कि फार्म के एक किलोमीटर के दायरे को संक्रमित क्षेत्र और 10 किलोमीटर के दायरे को निगरानी क्षेत्र घोषित किया गया है। प्रोटोकॉल के मुताबिक संक्रमित क्षेत्र के अंदर पोल्ट्री पक्षियों, उनके चारे और अंडों को नष्ट कर दिया जाएगा और उनके आवागमन पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया जाएगा। इसके लिए पशुपालन विभाग द्वारा पोल्ट्री पक्षियों के मालिकों को मुआवज़ा दिया जाएगा। मुर्गियों को मारने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद, फार्म को सील कर दिया जाएगा। बयान में कहा गया है कि प्रभावित क्षेत्र में संक्रमित पक्षियों को मारने, उनका सुरक्षित निपटान करने, निगरानी रखने और सैनिटाइज़ेशन के उपाय करने के लिए रैपिड रिस्पॉन्स टीमें गठित की गई हैं।

डबल डेकर बस पलटी, 2 की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के करोल बाग में डबल डेकर बस के पलट जाने से बड़ा हादसा हो गया है। हादसे में दो लोगों की मौत हो चुकी है और कई घायल हैं। बस में 25 यात्री सवार थे जब यह हादसा हुआ। दिल्ली पुलिस ने हादसे का संज्ञान लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। बताया जा रहा है कि यह बस राजस्थान से आ रही थी और हनुमान मंदिर चौक के पास पलट गई। तीन दिन पहले जयपुर-दिल्ली हाईवे पर भी एक बड़ा हादसा हुआ था। उस दौरान हरियाणा रोडवेज की तेज रफ्तार बस चंदवाजी इलाके में एक बाइक से टकरा गई थी। बाइक पर चार लोग सवार थे, जिनमें से तीन की दर्दनाक मौत हो गई। इसके अलावा दिल्ली के नांगलोई में कुछ दिन पहले एक डीटीसी बस ने स्कूटर सवार युवक को कुचल दिया। हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। साथ ही, एक ई-रिक्शा और कुछ लोग बस की चपेट में आ गए, जिसके बाद घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

आप विधायक रेप केस में गिरफ्तार, हरियाणा से भागे थे, मप्र से पकड़ा

पटियाला (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के विधायक हरमीत पठानमाजरा को पटियाला पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वह 2 साल पुराने रेप केस में वांटेड थे। पठानमाजरा केस दर्ज होने के बाद पहले हरियाणा के करनाल में घेरे गए थे, लेकिन वह कस्टडी से फरार हो गए। इसके बाद वह ऑस्ट्रेलिया चले गए थे। पुलिस ने उनका लुकआउट सर्कुलर जारी कर रखा था। पठानमाजरा 2022 में पटियाला की सनौर विधानसभा सीट से विधायक चुने गए हैं। केस में राहत के लिए पठानमाजरा ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर रखी थी। इसकी सुनवाई बुधवार को ही होनी थी। इसी को लेकर वह करीब 5 दिन पहले ऑस्ट्रेलिया से भारत लौटे थे। वह दिल्ली ही आ रहे थे, लेकिन पटियाला पुलिस को इसकी भनक लग गई। इसके बाद उन्हें मध्यप्रदेश के शिवपुरी में ग्वालियर बाइपास पर गिरफ्तार कर लिया। केस दर्ज होने के बाद वह पिछले 6 महीने से फरार चल रहे थे। पठानमाजरा पर बाढ़ के दौरान अफसरों के खिलाफ बयानबाजी के बाद केस दर्ज हुआ था। उन्होंने आरोप लगाया था कि आप की दिल्ली टीम के खिलाफ बोलने की वजह से उनके खिलाफ पुराने मामले में एफआईआर की गई है।

दिल्ली में अवैध एलपीजी रैकेट का भंडाफोड़... 183 इंडेन गैस सिलेंडर बरामद

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के संगम विहार इलाके में क्राइम ब्रांच ने अवैध एलपीजी रैकेट का भंडाफोड़ किया है। छापेमारी के दौरान क्राइम ब्रांच ने 183 इंडेन गैस सिलेंडर बरामद किए हैं। मामले में 4 आरोपियों को हिरासत में लेकर जांच जारी है। क्राइम ब्रांच की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) को संगम विहार में गैस सिलेंडरों की जमाखोरी और अवैध रिफिलिंग की गुप्त सूचना मिली थी। इसके बाद क्राइम ब्रांच की टीम ने इलाके के तीन अलग-अलग गोदामों पर एक साथ छापा मारा। यहां चारों आरोपी शेर सिंह, सूरज परिहार, रघु राज सिंह और जितेंद्र शर्मा को अवैध तरीके से गैस सिलेंडरों की स्टॉकिंग और रिफिलिंग करते पकड़ा गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, कुल 183 सिलेंडर बरामद हुए, जिसमें 154 भरे हुए सिलेंडर, 29 खाली सिलेंडर शामिल हैं। इसके साथ ही मौके से लोहे के पाइप, तराजू और अन्य रिफिलिंग उपकरण भी जब्त किए।

ईरान जंग का चुनाव पर असर, मिडिल ईस्ट में रहते हैं केरल के 20 लाख से ज्यादा लोग

-वोट डालने यूएई, सऊदी अरब, कुवैत समेत कई देशों से भारत आते हैं केरलवासी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका और ईरान युद्ध का असर भारत में होने वाले विधानसभा चुनाव पर भी पड़ सकता है। खाड़ी देशों में भारतीयों के फंसे होने के कारण वोटर संख्या प्रभावित हो सकती है। इसका सबसे ज्यादा असर केरल पर पड़ेगा। अनुमान लगाया जा रहा है कि मिडिल ईस्ट में केरल के 20 लाख से ज्यादा लोग रहते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक ऑब्जर्वर्स का कहना है कि इसका असर मतदाताओं की संख्या पर पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि संख्या निर्णायक नहीं होगी, लेकिन कुछ इलाकों में इनका असर दिखेगा। वोट डालने के लिए यूएई, सऊदी अरब, कुवैत समेत कई देशों से केरलवासी भारत आते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक मतदाताओं की संख्या का असर खासतौर से उत्तर केरल में नजर आएगा। इसके चलते मलप्पुरम, कोझिकोड और कासरगोड जिलों में असर देखा जा सकता है। साथ ही पलक्कड़ और थ्रिसूर कुछ प्रभावित हो सकते हैं। माना जा रहा है कि आईयूएमएल यानी इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग को इस वोटर का सबसे ज्यादा फायदा होता है। आईयूएमएल कांग्रेस की अगुवाई वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट का हिस्सा है। पार्टी के महासचिव पीएमए सलाम का कहना हैं कि कई लोग वोटिंग के लिए वापस नहीं आ पाएंगे। हमारे केएमसीसी सदस्य खाड़ी देशों में अधिकारियों से बात कर रहे हैं, लेकिन हालात सामान्य नहीं हुए तो मतदाताओं की संख्या कम रहेगी। सीपीआई से राज्यसभा सांसद संदोश कुमार पी कहते हैं कि उत्तर केरल में कुछ ही क्षेत्र हैं, जहां खाड़ी में रहने वाले मतदाताओं का संख्या ज्यादा है। आमतौर पर ये सीटें जीत के बड़े अंतर वाली हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक यूएई केरल मुस्लिम कल्चरल सेंटर के अध्यक्ष पुथूर रहमान बताते हैं कि हम यूएई से आमतौर पर 8 चार्टर्ड फ्लाइट्स की तैयारी करते हैं। इस साल हम ऐसा नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सुपरमार्केट और अन्य जगहों पर काम करने वाले कई लोग इस बात को लेकर चिंतित हैं कि वह वोटिंग के लिए नहीं जा सकेंगे। 28 फरवरी और अमेरिका और इजराइल ने मिलकर ईरान पर हमला कर दिया था। इसके जवाब में ईरान ने मिडिल ईस्ट के कई देशों को निशाना बनाया। ईरान का कहना है कि देशों पर नहीं, बल्कि वहां मौजूद अमेरिकी बेस पर हमले किए थे। इसके चलते यूएई से आने वाली उड़ानें खासी प्रभावित हुईं थीं।

बंगाल पहुंचे औवेसी ने कहा, लोग घुटन महसूस कर रहे... ये गठबंधन उन्हें विकल्प देगा

एआईएमआईएम और जनता उन्नयन पार्टी के बीच हुए गठबंधन

कोलकाता (एजेंसी)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने बुधवार को दावा किया कि पश्चिम बंगाल के लोग घुटन महसूस कर रहे हैं और उनकी पार्टी ने हुमायूं कबीर की आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) के साथ गठबंधन किया हैं, ताकि बंगाल की जनता को वह विकल्प दे सके जिसकी उन्हें बीते कई सालों से तलाश हैं। कबीर के साथ कोलकाता में प्रेसवार्ता को संबोधित कर ओवैसी ने दावा किया कि बंगाल में अल्पसंख्यकों का विकास बड़ा मुद्दा है। राज्य में अगले माह चुनाव होने हैं। उन्होंने कहा, ''एआईएमआईएम बंगाल के कमजोर वर्गों के शोषण को रोकने के लिए हुमायूं कबीर के साथ हाथ मिला रही है। हाल ही में टीएमसी से निलंबित हुए कबीर अब ओवैसी के साथ मिलकर ममता बनर्जी के अभेद्य दुर्ग (मुस्लिम वोट बैंक) में सेंध लगाने की तैयारी में हैं। कबीर की पकड़ इन इलाकों में काफी मजबूत मानी जाती है, जहाँ मुस्लिम मतदाताओं की संख्या निर्णायक है। गठबंधन का मानना है कि यदि वे इन क्षेत्रों में अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तब वे राज्य सरकार बनाने में किंगमेकर की भूमिका निभा सकते हैं।

सरकार ऐसे समय प्रस्ताव पर चर्चा कर रही, जब चुनावों को लेकर आचार संहिता लागू है

-सीएम स्टालिन ने महिला आरक्षण अधिनियम में संशोधन के प्रस्ताव पर जताई आपत्ति

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु के सीएम और डीएमके प्रमुख एमके स्टालिन ने महिला आरक्षण अधिनियम में संशोधन किए जाने के प्रस्ताव पर आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि केंद्र सरकार ने पांच राज्यों के चुनावों को देखते हुए यह फैसला लिया है। उन्होंने 2011 की जनगणना को ही आधार मानकर महिला आरक्षण लागू करने पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि सरकार ऐसे समय में इस प्रस्ताव पर चर्चा कर रही है, जब चार राज्यों और पुदुचेरी में चुनाव होने हैं और वहां आचार संहिता लागू है। उन्होंने कहा कि यह अप्रत्याशित है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि संसद और विधानसभाओं में महिला आरक्षण पर सरकार 2011 की जनगणना के आधार पर विचार कर रही है। यह 128वें संविधान संशोधन के विपरीत है, जो 2023 में पारित हुआ था।

उन्होंने कहा कि यह जरूरी है कि 2026 की जनगणना के आधार पर इसे लागू किया जाए। ऐसी ही बात 2023 के महिला आरक्षण एक्ट में कही गई थी। उन्होंने कहा कि हम बिना किसी शर्त के महिला आरक्षण का समर्थन करते हैं, लेकिन यह जरूरी है कि सीटों का परिसीमन सही तरीके से किया जाए। इसके साथ ही उन्होंने परिसीमन में आनुपातिक प्रतिनिधित्व से किसी छेड़छाड़ का विरोध किया। इसके साथ ही उन्होंने अगले 30 सालों के लिए इस बात की गारंटी मांगी कि जो परिसीमन तय हो जाएगा, उसमें तीन दशकों तक कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। स्टालिन ने कहा कि यह हमारा मानना रहा है कि राज्यों में लोकसभा सीटों का जो अनुपात है, उसमें किसी तरह का बदलाव ना किया जाए। यह गारंटी अगले 30 सालों के लिए हो। उन्होंने कहा कि सरकार को फिलहाल इस प्रस्ताव को रोक लेना चाहिए। इसके लिए सरकार को जून की शुरुआत में एक विशेष सत्र बुलाना चाहिए, जिसमें महिला आरक्षण में संशोधन पर विचार किया जाए।

ईरान-इजराइल युद्ध में मध्यस्थता पाक जैसे देश कर रहे पीएम मोदी को भी करनी चाहिए थी

-सपा सांसद ने कहा- किस देश से कैसे संबंध रहेंगे यह हमारे पीएम ही फैसला लेते हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद रामगोपाल यादव ने कहा है कि पश्चिमी एशिया में संघर्ष के दौरान पीएम मोदी को मध्यस्थता करनी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। ईरान-इजराइल युद्ध में पाकिस्तान की ओर से मध्यस्थता के सवालों पर रामगोपाल यादव ने कहा कि पाकिस्तान, मिस्र और तुर्किए तीन देश मध्यस्थता कर रहे हैं। यह मध्यस्थता पीएम मोदी और भारत को भी करनी चाहिए थी।

उन्होंने आगे कहा कि बहुत सारे देशों ने पीएम मोदी को अपना सबसे बड़ा राष्ट्रीय सम्मान भी दिया है। पीएम मोदी की डोनाल्ड ट्रंप के साथ क्या बातचीत हुई। संसद और देश को उन्हें इस बारे में बताना चाहिए। यादव ने भारत की विदेश नीति पर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की ओर से उठाए गए सवालों पर भी प्रतिक्रिया दी।

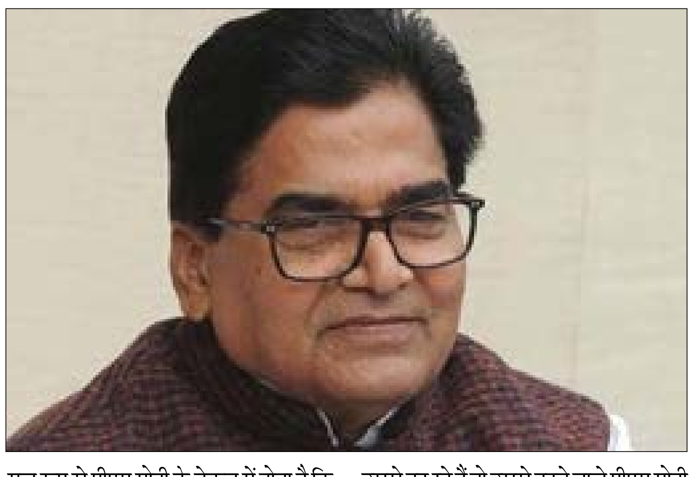

उन्होंने कहा कि विदेश नीति जो है, वो मूल रूप से पीएम मोदी के नेतृत्व में होता है कि हमारे किस देश से कैसे संबंध रहेंगे ये पीएम ही फैसला लेते हैं। जवाहरलाल नेहरू से लेकर हमेशा यही हुआ है। हमारी गुटनिरपेक्ष नीति थी, उसके निर्माता जवाहरलाल नेहरू थे। अब वह उससे हट रहे हैं तो उससे हटने वाले पीएम मोदी हैं। केंद्र सरकार की ओर से सर्वदलीय बैठक पर बुलाने पर रामगोपाल यादव ने कहा कि बुधवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई गई है। इस बारे में मंगलवार को सूचना मिली थी। समाजवादी पार्टी की ओर से जावेद अली खान और धर्मेंद्र यादव जाएंगे। पार्टियों की तरफ से दो-दो नेता जाएंगे।

इसी दौरान सपा सांसद ने संसद में पेश होने वाले केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल विधेयक का विरोध किया। उन्होंने कहा कि इस विधेयक में आपत्ति ही आपत्ति हैं। सरकार से कौन लड़ सकता है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले को वह नहीं मानती है। असिस्टेंट कमांडेंट 30 साल में भी डिप्टी कमांडेंट नहीं बन पाता है। उसी परीक्षा से पास हुए आईपीएस डीजी बन जाते हैं। सेना में मेजर जनरल और लेफ्टिनेंट जनरल बन जाते हैं। पता होना चाहिए कि निराशा में कितने लोगों ने डीआरएस लिया।

उन्होंने कहा कि मैंने शून्यकाल में इसके विरोध में आवाज उठाई थी। सपा सांसद ने कहा कि राजनेताओं की रक्षा यही जवान करते हैं। सीमा से लेकर देश के अंदर शहीद होने वाले सबसे ज्यादा यही जवान होते हैं।

बंगाल में 'बुआ-भतीजा' मॉडल भाजपा के मजबूत ढांचे को सीधे चुनौती दे रहा

जहां बीजेपी मजबूत वहां खुद ममता ने संभाली कमान

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में चुनावी मुकाबला दिलचस्प मोड़ पर पहुंच गया है, जहां ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी ने भाजपा को चुनौती देने के लिए उत्तर और दक्षिण बंगाल में अलग-अलग रणनीति अपना रहे है। वहीं तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने 291 उम्मीदवारों की सूची जारी कर चुनावी अभियान को तेज किया है, जबकि भारतीय जनता पार्टी ने भी समय से पहले उम्मीदवार घोषित कर आक्रामक रुख दिखाया है। चुनाव में टीएमसी की रणनीति के तहत ममता खुद उत्तर बंगाल में प्रचार की कमान संभाल रही हैं, जहां भाजपा परंपरागत रूप से मजबूत मानी जाती है। उन्होंने अलीपुरद्वार से अभियान की शुरुआत की और दार्जिलिंग, जलपाईगुड़ी जैसे इलाकों में रैलियां और बैठकों की योजना बनाई है। इसके अलावा फुलबारी और नक्सलबाड़ी जैसे क्षेत्रों में भी उनका फोकस रहेगा। उत्तर बंगाल में भाजपा ने 2019 के लोकसभा और 2021 के विधानसभा चुनावों में अच्छा प्रदर्शन किया था, इसलिए ममता यहां सीधे मुकाबला करने उतरी हैं।

वहीं दूसरी ओर अभिषेक को दक्षिण बंगाल की जिम्मेदारी दी गई है, जहां टीएमसी पारंपरिक रूप से मजबूत रही है। उनका ध्यान जिलों में

संगठन को मजबूत करने और जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने पर है। इस तरह ÷बुआ-भतीजा÷ की जोड़ी राज्य के दोनों हिस्सों में संतुलित प्रचार रणनीति के जरिए चुनावी नतीजों को प्रभावित करने की कोशिश कर रही है।

उधर भाजपा भी पूरी ताकत झोंक रही है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन, सुनील बंसल और भूपेंद्र यादव राज्य में सक्रिय हैं। सिलीगुड़ी और दुर्गापुर में बैठकों के जरिए संगठन को मजबूत करने की कोशिश की जा रही है। भाजपा की रणनीति बूथ स्तर तक पहुंच बनाने, घर-घर संपर्क अभियान चलाने और केंद्र सरकार की योजनाओं को प्रचारित करने पर केंद्रित है। कुल मिलाकर, बंगाल का चुनाव इस बार उत्तर बनाम दक्षिण की रणनीति पर टिका नजर आ रहा है, जहां टीएमसी का 'बुआ-भतीजा' मॉडल भाजपा के मजबूत ढांचे को चुनौती देने की कोशिश कर रहा है। अब देखना होगा कि यह रणनीति चुनावी नतीजों को कितना प्रभावित कर पाती है।

13 साल की खामोशी का अंत... ग्रीन पार्क में हो रहा हरीश राणा का अंतिम संस्कार

- दिल्ली के ग्रीन पार्क में हो रहा हरीश राणा का अंतिम संस्कार

नई दिल्ली (एजेंसी)। 13 साल कोमा में रहने के बाद हरीश राणा ने मंगलवार को आखिरी सांस ली। उनका अंतिम संस्कार दिल्ली के ग्रीन पार्क में हो रहा है। ब्रह्मकुमारी के सदस्य भी प्रार्थना करने श्मशान घाट पहुंचे हैं। देश में इच्छामृत्यु की अनुमति पाने वाले पहले व्यक्ति हरीश राणा का मंगलवार को निधन हो गया था। बुधवार को उनका अंतिम संस्कार दिल्ली के ग्रीन पार्क स्थित श्मशान घाट में किया जा रहा है। 13 साल तक कोमा में रहने के बाद उनके जीवन का यह लंबा और दर्दभरा अध्याय आखिरकार समाप्त हो गया। ग्रीन पार्क में अंतिम संस्कार के दौरान हरीश के परिवार के कई लोग मौजूद हैं। बुधवार को हरीश राणा के पार्थिव शरीर को अंतिम संस्कार के लिए ग्रीन पार्क श्मशान घाट लाया गया, जहां परिवार और करीबी लोगों की मौजूदगी में अंतिम विदाई दी जा रही है। 31 वर्षीय हरीश वर्ष 2013 से कोमा में थे। वह पंजाब यूनिवर्सिटी में बीटेक के छात्र थे और चौथी मंजिल की बालकनी

से गिर गए थे। इस हादसे के बाद से वह लगातार कोमा में रहे और पूरी तरह चिकित्सा देखरेख पर निर्भर हो गए। अंतिम दिनों में हरीश राणा से जुड़ा एक वीडियो भी सामने आया था, जिसमें ब्रह्म कुमारी के सदस्य हरीश के घर पर प्रार्थना करते नजर आए। उन्होंने आत्मा की शांति के लिए विशेष प्रार्थना की और उन्हें शांति से विदा होने की कामना की। ब्रह्मकुमारी के सदस्य भी श्मशान घाट पहुंचे हैं। वे यहां प्रार्थना करेंगे। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के एक ऐतिहासिक फैसले के बाद उन्हें पैसिव यूथेनेशिया की अनुमति दी गई थी। कोर्ट ने जीवन रक्षक उपकरणों को हटाने की इजाजत दी थी, ताकि उन्हें प्राकृतिक मृत्यु मिल सके। इसके तहत उन्हें इस महीने की शुरुआत में गाजियाबाद स्थित घर से दिल्ली के एम्स में पेलिएटिव केयर यूनिट में शिफ्ट किया गया था। हरीश के पिता अशोक राणा ने इस फैसले को 'बेहद दर्दनाक लेकिन जरूरी' बताया था। पिछले 13 सालों से उनका परिवार हर संभव प्रयास करता रहा। आर्थिक और मानसिक दबाव के बावजूद परिवार ने उनका इलाज जारी रखा, यहां तक कि इलाज के लिए अपना घर तक बेच दिया।

महिला आरक्षण लागू होने के साथ ही लोकसभा सीटों की संख्या हो जाएंगी 816

-यूपी में 120 तो महाराष्ट्र में 72 और बिहार से चुने जाएंगे 60 सांसद

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला आरक्षण को लेकर सरकार ने बीते लोकसभा चुनाव से ठीक पहले कानून पारित किया था, लेकिन अब उसमें संशोधन करने की तैयारी कर रही है। ऐसा इसलिए ताकि 2029 के लोकसभा चुनाव में इसे लागू किया जा सके। यही नहीं इस संबंध में जल्द ही संशोधन विधेयक लाया जा सकता है। यदि आने वाले लोकसभा चुनाव में ही महिला आरक्षण को लागू किया गया तो फिर राज्यों में सीटों का समीकरण भी बदलेगा। महिला आरक्षण लागू होने के साथ ही लोकसभा सीटों की संख्या 816 हो सकती है। फिलहाल 543 सीटें हैं। कुल 816 सीटों में से 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। राज्यों की बात करें तो पहले की तरह ही सबसे ज्यादा लोकसभा सीटें यूपी में होंगी। यहां 120 सांसद चुने जा सकते हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बिहार में सीटों की संख्या 40 से बढ़कर 60 हो सकती है। अब तक 48 सांसद दिल्ली भेजने वाले महाराष्ट्र में लोकसभा सीटों की संख्या 72 हो सकती है। फिलहाल दक्षिण भारत के राज्यों की जो चिंता है कि उनकी सीटें कम हो सकती हैं। उसका भी ध्यान रखा गया है और 2029 के आम चुनाव में 2011 की जनगणना के मुताबिक ही सीटों की संख्या तय होगी। इसीलिए अभी जो सीटों का अनुपात है, उसके मुताबिक सीटें जुड़ेंगी। इस तरह भले ही सीटों की संख्या यूपी, बिहार, महाराष्ट्र जैसे राज्यों में बढ़ जाएगी, लेकिन उनके अनुपात में कोई बदलाव नहीं आएगा।

जानकारी के मुताबिक महिला आरक्षण में संशोधन के लिए सरकार विपक्ष से बात कर रही है। इसकी जिम्मेदारी कई नेताओं के पास है और गृहमंत्री अमित शाह ने भी कई विपक्षी दलों से बात की है। सूत्रों का कहना है कि विपक्ष को भरोसा दिलाया है कि 2029 के आम चुनाव में 2011 की जनगणना के मुताबिक ही सीट संख्या तय होगी। इसके तहत यूपी की 120 सीटें होंगी और इनमें से 33 फीसदी यानी 40 सीटें महिलाओं के लिए रहेंगी। ऐसे ही महाराष्ट्र में 72 सीटें होंगी और 24 सीटें महिलाओं के लिए रहेंगी। पश्चिम बंगाल की सीटें 42 से बढ़कर 63 हो सकती हैं और इनमें से 21 महिलाओं के लिए रहेंगी। इसी तरह बिहार में महिलाओं के लिए 20 सीटें होंगी।

तमिलनाडु में कुल लोकसभा सीटें 39 से बढ़कर 59 हो सकती हैं। इनमें से 20 महिलाओं के लिए रहेंगी।

इसी तरह मध्य प्रदेश में 44 सीटें हो सकती हैं और इनमें से 15 महिलाओं के लिए रहेंगी। नए समीकरणों के तहत अरुणाचल प्रदेश, गोवा, मणिपुर, मेघालय, त्रिपुरा जैसे छोटे राज्यों की सीटें भी 2 से बढ़कर 3 हो सकती हैं। मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम में भी दो सीटें बढ़ सकती हैं।

फिलहाल इन राज्यों से एक ही सांसद चुना जाता है। ऐसे ही दिल्ली के सांसदों की संख्या 11 हो सकती है, जिनमें से 4 सीटें महिलाओं के लिए रहेंगी। जम्मू-कश्मीर में सीटों की संख्या 5 से बढ़कर 8 हो जाएगी और महिलाओं के लिए तीन सीटें रहेंगी।

संक्षिप्त डायरी

पुलिस और लूटेरों के बीच मुठभेड़, दो गिरफ्तार

कानपुर (एजेंसी) । चकेरी थाना क्षेत्र अंतर्गत महिला सिविल डिफेंस कर्मी से लूट करने वाले बदमाशों की मंगलवार देर रात पुलिस से मुठभेड़ हो गई जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश के पैर में गोली लगी। जबकि दूसरे को दौड़ा कर पकड़ लिया गया। आरोपितों ने एक घंटे के अंदर दो लूट की घटनाओं को अंजाम दिया था। मंगला विहार प्रथम न्यू पीएसी लाइन की रहने वाली महिला से सिविल डिफेंस कर्मी अनीता श्रीवास्तव शनिवार को आईआईटी से एक कार्यक्रम में शामिल होकर वापस घर लौट रही थी। तभी मंगला विहार स्थित मामा पीसीओ के पास सड़क पार करने के दौरान दूसरी ओर से आ रहे बाइक सवार दो युवकों ने झपट्टा मार कर उनका मंगलसूत्र लूट लिया और मौके से फरार हो गए। इसके अलावा घटना के एक घंटे बाद मंगला विहार प्रथम निवासी एक युवती का पर्स लूटा था। डीसीपी पूर्वी सत्यजीत गुप्ता ने बताया कि मुखबिर द्वारा सूचना मिली की लूट के आरोपित दोनों लुटेरों का क्षेत्र में होना पाया गया है। जिन्हें पकड़ने के लिए सनिगवां स्थित अलकनंदा रेलवे ओवर ब्रिज के पास लुटेरों को रोकने का प्रयास किया गया। तभी शातिरों ने पुलिस पर ही फायर झोंक दिया। जवाबी कार्रवाई में एक लुटेरे के पैर में गोली लगी। जबकि दूसरे को दौड़ा कर पकड़ लिया गया। लुटेरों की पहचान बाबूपुरवा निवासी एहतेशाम और किदवई नगर निवासी रियान के रूप में हुई है। इसके अलावा उनके पास से लूटा हुआ मंगलसूत्र और एक तमंचा भी बरामद किया गया है। फिलहाल घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कर दिया गया है। जहां बुधवार को दोनों को न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेजा जाएगा।

सड़क हादसे में बिना हेलमेट बाइक सवार युवक की इलाज के दौरान मौत

औरैया (एजेंसी) । उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद के अछल्दा-अछियारी मार्ग पर हुए एक सड़क हादसे में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह हादसा योगीराज महाविद्यालय के पास मंगलवार कि अपराह्न लगभग 3:40 बजे हुआ। खराब सड़क के कारण एक बाइक अनियंत्रित होकर फिसल गई। उस पर सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां से आगे सैफई मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। भैसोल गांव निवासी सुधर सिंह(30) पुत्र राम औतार ने मंगलवार रात इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। बताया गया है कि हादसे के समय उन्होंने हेलमेट नहीं पहना था। इस कारण उनके सिर में गंभीर चोट आई और हालत लगातार नाजुक बनी रही। शव गांव पहुंचते ही परिजनों में कोहराम मच गया। वहीं, हादसे में घायल दूसरे युवक अर्पित का इलाज कानपुर में अभी जारी है।

कानपुर में लापता 14 वर्षीय किशोर का शव झील में मिला

कानपुर (एजेंसी) । कानपुर के स्वरूपनगर थाना क्षेत्र स्थित मोतीझील की दाहिनी झील में बुधवार 14 वर्षीय किशोर का शव मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने फॉरेंसिक टीम को बुलाकर साक्ष्य संकलन कराया और नाव की मदद से शव को पानी से बाहर निकलवाया। जांच के दौरान मृतक के शरीर पर किसी प्रकार के स्पष्ट चोट के निशान नहीं पाए गए। मृतक की शिनाख्त करीब 14 वर्षीय किशोर के रूप में हुई, जो चौधरीपुर थाना बिठूर निवासी बाबू सिंह का पुत्र था और वर्तमान में छोटी गुटैया थाना स्वरूपनगर क्षेत्र में रह रहा था। परिजनों के अनुसार किशोर मानसिक रूप से कमजोर था और 24 मार्च की सुबह से घर से लापता था। डीसीपी सेंट्रल अतुल श्रीवास्तव ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई की गई। शव को बाहर निकलवा कर पंचायतनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। प्रथम दृष्टया शरीर पर चोट के निशान नहीं हैं, अन्य तथ्यों की जांच की जा रही है। मामले में अन्य आवश्यक विधिक कार्रवाई प्रचलित है।

सेप्टिक टैंक में जहरीली गैस से बाप-बेटे की मौत

कानपुर (एजेंसी) । उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले में कल्याणपुर थाना क्षेत्र में सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान पिता-पुत्र की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस और एसडीआरएफ टीम ने करीब एक घंटे तक रेस्क्यू अभियान चलाकर तीन लोगों को बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने दो को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर पड़ताल शुरू कर दी है। कर्नलगंज इलाके के रहने वाले इरफान ने बताया कि रात में कल्याणपुर के गोवा गार्डन स्थित अपार्टमेंट में अपने ससुर जावेद (45) और साले आबिद (25) के साथ सेप्टिक टैंक साफ करने पहुंचे थे। रात करीब 12 बजे तीनों अंदर गए। पहले राउंड में सफाई करने के बाद तीनों बाहर आ गए। इसके बाद करीब दो बजे दोबारा सफाई करने के लिए टैंक में उतरे। जावेद और आबिद गहराई में चले गए। काफी देर तक उनके बाहर न आने पर अनहोनी की आशंका जताते हुए पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस और एसडीआरएफ टीम ने करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद दोनों को बाहर निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उपचार के दौरान दोनों की मौत हो गई। एसीपी कल्याणपुर आशुतोष कुमार ने बताया कि प्रथम दृष्टया मौत का कारण सीवर टैंक के अंदर मौजूद जहरीली गैस लग रहा है। फिलहाल दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

मुठभेड़ में 25 हजार का इनामी गौकश घायल

बरेली (एजेंसी) । ।उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में थाना फतेहगंज पश्चिमी पुलिस ने बुधवार सुबह मुठभेड़ में 25 हजार रुपये का इनामी गौकश घायल हो गया। आरोपित के दोनों पैरों में गोली लगी है, जबकि एक उपनिरीक्षक भी मामूली रूप से घायल हुआ है। पुलिस ने आरोपित के पास से अवैध तमंचा, कारतूस और गौकशी के उपकरण बरामद किए हैं। सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी हाइवे शिवम आशुतोष ने बताया कि आज सुबह करीब 5:35 बजे गश्त के दौरान थाना फतेहगंज पश्चिमी पुलिस टीम को सूचना मिली कि मु0अ0सं0 232/25 धारा 3/5/8 गोवध निवारण अधिनियम व 11 पशु क्रूरता अधिनियम में वांछित 25 हजार रुपये का इनामी कामिल उर्फ नक्का बंद पड़ी रबर फैक्टरी के पास जंगल क्षेत्र में मौजूद है।

मुख्यमंत्री योगी ,ने बहराइच में 136 परिवारों को दिया तोहफा

बहराइच में 136 परिवारों को मुख्यमंत्री आवास, शौचालय और आवास के लिए भूमि के पट्टों का वितरण

बहराइच (एजेंसी) मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को जनपद बहराइच में मुख्यमंत्री आवास, शौचालय और आवास के लिए भूमि के पट्टों के 136 लाभार्थी परिवारों को वितरण किया। उन्होंने कहा कि इन परिवारों को यह सब पहले ही मिल जाना चाहिए था, लेकिन जाति के नाम पर बाँटने वाले लोगों ने देश की जितनी अपूर्णनीय क्षति आजादी के बाद से लगातार की है, उसका खामियाजा यह देश लगातार भुगता है, लेकिन अब मोदीजी के नेतृत्व में एक भारत श्रेष्ठ भारत के रूप में कार्य हो रहा है।

योगी आदित्यनाथ आज बहराइच जिले के सेमरहना में भरथापुर के विस्थापित परिवारों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जिन 136 परिवारों के 500 लोगों को पिछली सरकारों ने नजरअंदाज किया, आज उन्हें नया जीवन देने का कार्य हो रहा है। अब कोई भी गरीब, दलित, पिछड़ा या जनजातीय परिवार उपेक्षित नहीं रहेगा। उन्होंने विपक्षी दलों पर तीखे प्रहार करते हुए कहा कि आज जो लोग पीडीए की बात करते हैं, उनसे पूछा जाना चाहिए क्या ये मुन्नालाल मौर्य उसका हिस्सा नहीं हो सकता था? क्या ये भरतापुर के यादव उसके हिस्से नहीं हो सकते थे? क्या यहां का दलित उसका हिस्सा नहीं हो सकता था? क्या यहां के जनजातीय थारू समुदाय के लोगों को इसका अधिकार नहीं मिलना चाहिए था? उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में एक भारत श्रेष्ठ भारत के लिए की तरह अगर कार्य पहले करने का प्रयास किया होता तो इन गरीबों और वंचितों को भी सुविधाएं मिलती और इनका पुनर्वास बहुत पहले हो गया होता। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि कौडियाला सरयू नदी हादसे के बाद जब गांव की स्थिति देखी, तो यह पाया कि ये लोग जंगल असुरक्षित हालात में रह रहे थे। बाघ, हाथी और तेंदुए का डर, तो दूसरी ओर नदी में मगरमच्छ और सांपों का खतरा था। यहां न सड़क थी, न बिजली और न ही पक्के मकान हैं? उन्होंने प्रशासन को निर्देशित किया कि बन रही इस नयी कॉलोनी का नाम भरतपुर ही रखना सुनिश्चित करें। भरतापुर से अब भरतपुर इसका नाम ही रखना और ग्राम पंचायत भी वही रहे, लेकिन वहां पर इसका नाम भरतपुर रहे क्योंकि राम भगवान राम के जन्मदिन के एक दिन पहले जब भगवान राम 14 वर्ष के वनवास के बाद अयोध्या वापस आए थे, उस समय अयोध्या का शासन भरतजी संभाल रहे थे। उन्होंने भाई से भाई के बीच प्रेम होने का उदाहरण प्रस्तुत किया था। 2017 के पहले था पहचान का संकट मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष पर करारा प्रहार करते हुए कहा कि वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में कहीं माफिया का संकट, कहीं गुंडों का संकट, कहीं दंगाइयों का संकट और प्रदेश के बारे में धारणा ऐसी बनाई गई थी कि यहां विकास नहीं चाहिए। यहां पर तो जाति के नाम पर दंगाइयों को प्रश्रय दिया जाता है। जाति के नाम पर बाँटने वाले लोग दंगाइयों को प्रश्रय देते थे उन्होंने कहा कि आजकल नवरात्र चल रहे हैं । इस बार 26 और 27 मार्च को रामनवमी का आयोजन भव्यता के साथ होगा। 2017 के पहले सन्नाटा होता था, क्योंकि उपद्रव कहां हो जाए। इसकी लोगों को आशंका होती थी। जो लोग 2017 के पहले राम मंदिर का विरोध करते थे, वहीं लोग दंगाइयों को भी प्रश्रय देते थे और इन्हीं लोगों ने प्रदेश को लूटा, लेकिन इन गरीबों की चिंता उनको नहीं थी। सत्ता में रहते समय इन नेताओं के मन में गरीबों के लिए उनके मन में कोई संवेदना नहीं थी, यहाँ के भी जो पीड़ित और वंचित यादव थे, मौर्य और कुशवाहा जाति से जुड़े हुए लोग थे, जनजातीय समुदाय और दलित समुदाय से जुड़े हुए लोग थे, इनके बारे में उनकी संवेदना जाग सके, इन तक भी योजना का लाभ पहुँच सके, उन्होंने कभी देखने का प्रयास नहीं किया। इस कार्यक्रम में भाजपा के पदाधिकारियों के अलावा स्थानीय प्रशासन के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

जीरो पॉवर्टी अभियान के तहत प्रयागराज में 28,974 परिवार चिन्हित

प्रयागराज (एजेंसी) ।उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित जीरो पॉवर्टी अभियान के अंतर्गत प्रयागराज जनपद में निर्धनतम परिवारों को चिन्हित कर उन्हें सरकारी योजनाओं से आच्छादित करने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। अभियान के तहत जिले में 28,974 परिवारों का चिन्हीकरण किया गया है, जिन्हें चरणबद्ध तरीके से आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार से संबंधित योजनाओं का लाभ दिया जाएगा। यह जानकारी बुधवार को मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि वर्ष 2024 में 2 अक्टूबर को शुरू किए गए जीरो पॉवर्टी अभियान का उद्देश्य ग्राम पंचायत स्तर पर सबसे गरीब परिवारों की पहचान कर, उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं में प्राथमिकता देना और उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार कर आत्मनिर्भर बनाना है। प्रयागराज जनपद में चिन्हित परिवारों को योजनाओं से संतृप्त करने के लिए संबंधित विभागों को निर्देश दिए गए हैं। सीडीओ ने बताया कि जीरो पॉवर्टी अभियान के तहत चिन्हित 28,974 निर्धनतम परिवारों को सभी सरकारी योजनाओं के लाभ से आच्छादित किए जाने के लिए विभागवार कार्रवाई की जा रही है। प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री आवास योजना से अब तक वंचित रहे 12,532 परिवारों को आवास योजना से लाभान्वित करने की प्रक्रिया भी तेजी से चल रही है। वहीं उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से भी गरीब परिवारों को स्वरोजगार से जोड़ने का काम किया जा रहा है। मिशन के तहत जनपद में 20,018 परिवारों को जोड़ने का लक्ष्य रखा गया था, जिसमें से 4,922 परिवार पहले से जुड़े थे। शेष 14,081 परिवारों को जोड़ने का लक्ष्य था, जिसमें से अब तक 11,816 परिवारों को आजीविका मिशन से जोड़ा जा चुका है। इस प्रकार लगभग 84 प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त कर लिया गया है। अधिकारियों का कहना है कि अभियान के अंतर्गत शेष परिवारों को भी जल्द से जल्द योजनाओं से आच्छादित कर जनपद में गरीबी उन्मूलन की दिशा में प्रभावी कार्य किया जाएगा।

रियाद में मारे गए भारतीय युवक का शव सीतापुर लाया गया

सीतापुर (एजेंसी) । सऊदी अरब के रियाद में इस महीने की शुरूआत में एक संदिग्ध मिसाइल हमले में मारे गए उत्तर प्रदेश के 26 वर्षीय व्यक्ति का शव बुधवार को सीतापुर में उसके पैतृक गांव लाया गया। व्यक्ति के परिवार के सदस्यों ने यह जानकारी दी। महमूदाबाद थाना क्षेत्र के बघैन गांव के निवासी रवि गोपाल सितंबर 2025 से रियाद में प्लास्टिक की एक फैक्टरी में वाहन चालक के रूप में काम कर रहे थे। गोपाल के परिवार के अनुसार, फैक्टरी के पास हुए मिसाइल हमले में 18 मार्च की रात को उनकी मौत हो गयी। गोपाल के बड़े भाई मनमोहन दयाल ने पीटीआई-भाषा को बताया कि उनके छोटे भाई का शव प्रशासन की मदद से बुधवार सुबह लखनऊ में उन्हें सौंप दिया गया। उन्होंने पहले कहा था, शव सुबह करीब साढ़े नौ बजे मिला। अब हम इसे अपने गांव ले जा रहे हैं और हम संभवतः दोपहर तक वहां पहुंच जाएंगे। अंतिम संस्कार आज होगा और गांव में पहले से ही तैयारी की जा रही है। दयाल ने बताया कि इस दौरान कोई समस्या नहीं हो, यह सुनिश्चित करने के लिए महमूदाबाद के नायब तहसीलदार राकेश कुमार को तैनात किया गया और वह काफिले के साथ रहे। उन्होंने कहा कि परिवार को दूतावास के अधिकारियों और स्थानीय प्रशासन ने पहले ही सूचित कर दिया था कि शव रियाद से बुधवार सुबह तक लखनऊ लाया जाएगा। इससे पहले, परिवार ने दावा किया था कि गोपाल जिस फैक्टरी में काम करते थे, उसके पास मिसाइल हमले के बाद मलबे में दबने से उनकी मौत हो गई थी। उन्हें हमले के बाद अस्पताल ले जाया गया था जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। विदेश मंत्रालय ने कहा था कि उसे 18 मार्च को रियाद में एक भारतीय नागरिक के दुखद निधन के बारे में जानकारी मिली। उसने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की थी। रियाद में भारतीय मिशन ने शव को भारत वापस लाने के लिए स्थानीय अधिकारियों के साथ समन्वय किया। गोपाल अपने परिवार का एकमात्र कमाने वाला सदस्य था। उसके परिवार में पत्नी और चार साल का बेटा है। गोपाल के परिवार ने प्रशासन से मुआवजे और सहायता की मांग की है। अधिकारियों ने कहा कि औपचारिकताओं को सुचारू रूप से पूरा करने के लिए जिला प्रशासन परिवार के संपर्क में है।

किशोरी से बलात्कार और हत्या के मामले में आरोपी को उम्रकैद की सजा

कुशीनगर (एजेंसी) । उत्तर प्रदेश के कुशीनगर की एक अदालत ने 2020 में नाबालिग लड़की से बलात्कार और उसकी हत्या करने के मामले में एक व्यक्ति को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। विशेष लोक अभियोजक फूलबदन व अजय गुप्त ने बताया कि विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो अधिनियम) और अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश दिनेश कुमार की अदालत ने मंगलवार को दोषी पर 4.25 लाख रुपये का जुमार्ना भी लगाया और निर्देश दिया कि इस राशि का आधा हिस्सा पीड़ित के अभिभावक को दिया जाए। पीड़िता के पिता ने 27 नवंबर, 2020 को तुर्कपत्ती थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी 16 वर्षीय बेटी शाम साढ़े पांच बजे खेत से साइकिल पर अनाज लेकर चली थी लेकिन घर नहीं लौटी। उन्होंने बताया कि जब वह उसकी तलाश में खेत की ओर गए तो रास्ते में उसकी साइकिल गिरी मिली। आसपास तलाश करने पर उनकी बेटी का खून से लथपथ शव मिला। मौके पर एक चप्पल भी पाया गया। बाद में पोस्टमार्टम जांच से नाबालिग से दुष्कर्म की पुष्टि हुई। पुलिस ने मामले में अज्ञात के विरुद्ध मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच में तब अहम सफलता मिली जब एक खोजी कुत्ते ने पुलिस को अपराध स्थल से सीधे पड़ोसी गांव गुरवलिया टोला के देवीपुर में आरोपी माईगर मद्धेशिया के घर तक पहुंचा दिया। माईगर घर पर मौजूद नहीं था और उसके बुजुर्ग मां-बांप उसके बारे में जानकारी नहीं दे सके। पुलिस ने बाद में उसे उसके रिश्तेदार के यहां से पकड़ा। पूछताछ के दौरान माईगर ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने घटनास्थल के नजदीक खेत से धारदार हथियार, वह घटना के समय पहना हुआ कपड़ा बरामद किया। कपड़ों पर खून के धब्बे पाए गए। सबूतों की जांच करने और दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद न्यायाधीश ने माईगर को नाबालिग लड़की से बलात्कार और हत्या का दोषी पाया। अदालत ने कहा कि माईगर ने एक किशोरी का जीवन समाप्त कर दिया जिसने अपने जीवन की अभी शुरूआत ही की थी। अदालत ने कहा कि इस तरह के अमानवीय कृत्य की सभ्य समाज में कल्पना नहीं की जा सकती और ऐसा करने वाला कठोर दंड का भागी है। अदालत ने हालांकि मामले में दूसरे आरोपी रामचंद्र को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया।

वाराणसी : चैत्र नवरात्र के सातवें दिन भवानी गौरी व कालरात्रि की चौखट पर श्रद्धालुओं ने टेका माथा

वाराणसी (एजेंसी) । उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी में वासंतिक चैत्र नवरात्र का सातवें दिन आदिशक्ति के गौरी स्वरूप भवानी गौरी और शुभंकरी कालरात्रि को समर्पित है। आदिशक्ति की आराधना में लीन श्रद्धालुओं ने बुधवार अलसुबह से ही नवदुर्गा के सातवें स्वरूप शुभंकरी कालरात्रि और गौरी स्वरूप भवानी गौरी का विधिवत दर्शन पूजन किया। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर परिक्षेत्र कालिका गली में स्थित मां कालरात्रि के दरबार में गूंजती घंटियों की आवाज और रह-रहकर जयकारा- सांचे दरबार की जय चहुंओर गुजांयमान रही। इस दौरान देवी की स्तुति-वंदना पचरा के साथ दरबार माला-फूल, धूप-बत्ती और लोहबान की गंध से महकता रहा। दरबार में हाजिरी लगाने आये श्रद्धालुओं ने माता के दरबार में माला, गुड़हल के पुष्प, चुनरी, नारियल, फल, मिष्ठान, सिंदूर, रोली, इत्र और द्रव्य अर्पित कर घर परिवार में सुख शान्ति की अर्जी लगाई। मंदिर के महंत सुरेन्द्र तिवारी के अनुसार आदिशक्ति का यह रूप शत्रु और दुष्टों का संहार करने वाला है। माता कालरात्रि का स्वरूप बहुत ही विकराल और रौद्र है। पुराणों के अनुसार माता के इस स्वरूप को चंड-मुंड और रक्तबीज सहित अनेकों राक्षसों का वध करने के लिए उत्पन्न किया गया था। देवी को कालरात्रि और काली के साथ चामुंडा के नाम से भी जाना जाता है। चंड-मुंड के संहार की वजह से मां के इस रूप को चामुंडा भी कहा जाता है। विकराल रूप में महाकाली की जीभ बाहर है। अंधेरे की तरह काला रंग, बाल खुले हुए गले में मुंडों की माला एक हाथ में खून से भरा हुआ पात्र, दूसरे में राक्षस का कटा सिर, हाथ में अस्त्र-शस्त्र। मान्यता है कि मां कालरात्रि का दर्शन करने मात्र से समस्त भय, डर और बाधाओं का नाश होता है। माता का वाहन गर्दभ है। उधर, गौरी स्वरूप में माता भवानी गौरी का दर्शन पूजन के लिए भी श्रद्धालुओं की भीड़ जुटी रही। विश्वनाथ गली अन्नपूर्णा मंदिर के निकट श्रीराम मंदिर में स्थित दरबार में पहुंचे श्रद्धालुओं ने विधि विधान से भवानी गौरी का विधिवत दर्शन पूजन किया। काशी में ऐसी मान्यता है कि भवानी गौरी के दर्शन पूजन से व्यक्ति के अंदर से भय समाप्त हो जाता है। माता भगवती के दिव्य स्वरूप की आराधाना और उपासना से उसमें तप, त्याग, सदाचार, संयम और वैराग्य भाव में निरन्तर वृद्धि होती है।

अयोध्या में पेट्रोल-डीजल खत्म का नोटिस चस्पा, अवध क्षेत्र में पंपों पर जबरदस्त भीड़

लखनऊ (एजेंसी) उत्तर प्रदेश के अयोध्या, अंबेडकरनगर और बलरामपुर समेत अवध क्षेत्र में अफवाह के चलते पेट्रोल-डीजल के लिए पंपों पर भीड़ उमड़ रही है। हालात यहां तक पैदा हो गए कि अयोध्या में पेट्रोल-डीजल खत्म के नोटिस चस्पा करने पड़े। मंगलवार को आधी रात तक और बुधवार को फिर सुबह से उमड़ी भीड़ के चलते कई जगहों पर पुलिस तैनात करनी पड़ी। अयोध्या में अफवाहों के बीच जिले में पेट्रोल-डीजल का संकट अब खुलकर सड़कों पर दिखने लगा है। शहर के कई पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल-डीजल खत्म के नोटिस चस्पा कर दिए गए हैं, जबकि जहां आपूर्ति हो रही है वहां भी 100 रुपये तक की सीमा तय कर दी गई है। ऑनलाइन भुगतान व्यवस्था ठप होने से उपभोक्ताओं को केवल नकद में ईंधन मिल रहा है, जिससे परेशानी कई गुना बढ़ गई है। हालात यह हैं कि अब लोग गैस सिलिंडर लेने के बाद पेट्रोल के लिए भी लाइन में लगने को मजबूर हैं। बुधवार तड़के सुबह 5.00 बजे से ही शहर के पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें लगनी शुरू हो गईं। घंटों इंतजार के बाद भी पेट्रोल न मिलने से लोग मजबूरी में खाली हाथ वापस लौट गए। कई स्थानों पर सुबह आठ बजे के बाद ही आपूर्ति शुरू हो सकी। देवकाली बाईपास स्थित पेट्रोल पंप पर एक महिला गैस सिलिंडर के साथ ही पेट्रोल के लिए लाइन में लगी रही। महोबारा ओवरब्रिज के पास स्थित पेट्रोल पंप पर डीजल खत्म होने का नोटिस लगा मिला, जबकि अयोध्याधाम में बन रहे बस स्टैंड के पास स्थित जय सर्विस स्टेशन पर पेट्रोल और डीजल दोनों खत्म होने का बोर्ड टंगा संकट के बीच कालाबाजारी भी तेज हो गई है। शहर में पेट्रोल 200 रुपये प्रति लीटर तक ब्लैक में बिकने की शिकायतें सामने आ रही हैं। गुरुनानक कॉलोनी निवासी अमर बहादुर ने बताया कि मंगलवार रात को 200 रुपये देकर एक लीटर पेट्रोल लेना पड़ा। बुधवार सुबह छह बजे से कई पंपों के चक्कर लगा चुका हूं, लेकिन कहीं पेट्रोल नहीं मिला। वहीं दर्शन नगर में अवध स्कूल के सामने स्थिति पेट्रोल पंप पर तेल लेने पहुंचे नीरज कुमार ने बताया कि सुबह छह बजे से लाइन में खड़े हैं लेकिन आठ बजे तक पेट्रोल नहीं मिला। अब मजबूरी में बिना तेल लिए लौटना पड़ रह है। शहर ही नहीं, ग्रामीण इलाकों में भी हालात बदतर हैं। कई गांवों के पेट्रोल पंप पूरी तरह सूख चुके हैं, जिससे खेती-किसानी और रोजमर्रा के काम प्रभावित हो रहे हैं। कई संवेदनशील पंपों पर बैरिकेडिंग की गई और पुलिस की निगरानी में

लोगों को लाइन में लगाया गया। इसके बावजूद कुछ जगहों पर उपभोक्ताओं और कर्मचारियों के बीच झड़प की घटनाएं भी सामने आईं। अयोध्या में रसोई गैस के बाद पेट्रोल-डीजल को लेकर चल रही अफवाहों ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक पेट्रोल पंपों पर देर रात से ही लंबी कतारें लग गईं।

असली आज़ादी

गुरुवार 26, मार्च 2026, दमण।

भगवान श्री राम मर्यादा,आदर्श रामराज्य का जीवंत दर्शन

विनोद कुमार सिंह

श्रीराम केवल इतिहास के पात्र नहीं हैं,बल्कि वे एक ऐसी चेतना हैं,जो हर युग में प्रासंगिक रहती है।उनका जीवन यह संदेश देता है कि मर्यादा में रहकर भी महानता प्राप्त की जा सकती है, और आदर्शों का पालन करते हुए भी सफलता हासिल की जा सकती है। वाल्मीकि के यथार्थवादी राम और तुलसी के भक्तिमय राम - दोनों मिलकर हमें यह सिखाते हैं कि जीवन को कैसे संतुलित, सार्थक और श्रेष्ठ बनाया जाए। 'भय प्रकट पाला दीन दयाला' की यह पंक्ति केवल एक काव्यात्मक अभिव्यक्ति नहीं,बल्कि यह विश्वास है कि जब भी मानवता संकट में होती है, तब राम किसी न किसी रूप में उसके रक्षक बनकर सामने आते हैं।

भय प्रकट पाला दीन दयाला, कौशल्या हितकारी... भारतीय संस्कृति की आत्मा में यदि किसी चरित्र ने सबसे गहरी और स्थायी छाप छोड़ी है,तो वह हैं भगवान श्रीराम। उनका जीवन केवल एक धार्मिक आख्यान नहीं, बल्कि एक ऐसा नैतिक दर्शन है,जो युगों-युगों से मानवता को दिशा देता आया है। 'भय प्रकट पाला दीन दयाला,कौशल्या हितकारी' की यह पंक्ति उस दिव्य क्षण का स्मरण कराती है,जब स्वयं धर्म ने मानव रूप धारण कर पृथ्वी पर अवतार लिया। राम नवमी का पर्व इसी सत्य का उत्सव है,परंतु यह केवल उत्सव नहीं, बल्कि आत्ममंथन का भी अवसर है।श्रीराम का सम्पूर्ण जीवन मर्यादा की एक ऐसी रेखा है,जिसे उन्होंने हर परिस्थिति में निभाया। यही कारण है कि उन्हें 'मर्यादा पुरुषोत्तम' कहा गया।उन्होंने यह सिद्ध किया कि महानता शक्ति में नहीं,बल्कि उस शक्ति के संयमित और न्यायपूर्ण उपयोग में निहित होती है।जब पिता की आज्ञा के कारण उन्हें वनवास का निर्णय लेना पड़ा, तब उन्होंने न तो परिस्थितियों से संघर्ष किया और न ही अपने अधिकारों का आग्रह किया,बल्कि सहज भाव से कर्तव्य को स्वीकार किया। यह केवल त्याग नहीं था, बल्कि यह उस आदर्श का प्रतिपादन था,जिसमें व्यक्ति अपने व्यक्तिगत सुख से ऊपर समाज और परिवार के धर्म को रखता है।

श्रीराम का जीवन इस बात का प्रमाण है कि मर्यादा केवल सीमाओं का बंधन नहीं, बल्कि जीवन को संतुलित और सार्थक बनाने का माध्यम है।उन्होंने अपने प्रत्येक संबंध को उसी गरिमा के साथ निभाया,जो आज एक आदर्श समाज की नींव बनती है। चाहे वह भ्रातृ प्रेम हो, पत्नी के प्रति निष्ठा हो,मित्रता का निर्वाह हो या प्रजा के प्रति उत्तरदायित्व - हर स्थान पर उन्होंने एक ऐसी मिसाल कायम की,जो आज भी प्रासंगिक है।श्रीराम के व्यक्तित्व को समझने के लिए भारतीय परंपरा के दो महान ग्रंथ विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं–वाल्मीकि रामायण और रामचरितमानस।महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित रामायण में राम एक आदर्श मानव के रूप में चित्रित होते हैं,जो जीवन की कठिनाइयों,संघर्षों और द्वंद्वों से गुजरते हुए भी धर्म का मार्ग नहीं छोड़ते। वहाँ राम ईश्वर से अधिक एक ऐसे पुरुष हैं, जो अपने निर्णयों के माध्यम से यह दिखाते हैं

कि परिस्थितियाँ चाहे जैसी भी हों,यदि मनुष्य अपने सिद्धांतों पर अडिग रहे,तो वह आदर्श बन सकता है।वहीं गोस्वामी तुलसीदास के रामचरितमानस में श्रीराम का स्वरूप और भी व्यापक हो जाता है। यहाँ वे केवल एक राजा या नायक नहीं, बल्कि करुणा और भक्ति के साकार रूप हैं।तुलसीदास ने उन्हें 'दीनदयाल' और 'भक्तवत्सल' के रूप में प्रस्तुत किया, जो हर उस व्यक्ति के सहायक हैं,जो सच्चे मन से उनकी शरण में आता है। इस प्रकार वाल्मीकि के राम जहाँ यथार्थ के धरातल पर खड़े हैं, वहीं तुलसी के राम अध्यात्म की ऊँचाइयों को स्पर्श करते हैं।दोनों मिलकर राम के उस समग्र स्वरूप को प्रस्तुत करते हैं,जिसमें मानवता और दिव्यता का अद्भुत संगम दिखाई देता है।

इसका अनुठा व अनोखा संगम का सबसे सुंदर और जीवंत रूप 'रामराज्य' में देखने को मिलता है। रामराज्य केवल एक ऐतिहासिक प्रसंग नहीं, बल्कि एक आदर्श शासन व्यवस्था का प्रतीक है, जहाँ न्याय,समानता,सुरक्षा और समृद्धि का संतुलन स्थापित होता है।श्रीराम के शासन में प्रजा केवल शासित नहीं थी, बल्कि वह स्वयं को सुरक्षित,सम्मानित और संतुष्ट अनुभव करती थी। वहाँ भय का स्थान नहीं था,अन्याय का अस्तित्व नहीं था और शासन का उद्देश्य केवल जनकल्याण था।

रामराज्य की कल्पना आज भी उतनी ही प्रासंगिक है, जितनी त्रेता युग में थी। वर्तमान समय में जब समाज अनेक प्रकार के संकटों से जूझ रहा है -नैतिक पतन, सामाजिक असंतुलन और प्रशासनिक चुनौतियाँ–तब रामराज्य एक मार्गदर्शक सिद्धांत के रूप में हमारे सामने आता है। यह हमें सिखाता है कि यदि शासन में पारदर्शिता हो,समाज में समरसता हो और व्यक्ति के जीवन में मर्यादा हो, तो किसी भी राष्ट्र को आदर्श बनाया जा सकता है।

श्रीराम का जीवन यह भी सिखाता है कि सच्चा अध्यात्म केवल पूजा और अनुष्ठान में नहीं,बल्कि आचरण में निहित होता है। उन्होंने कभी अपने आदर्शों का उपदेश नहीं दिया, बल्कि उन्हें अपने जीवन में उतारकर दिखाया। यही कारण है कि उनका प्रभाव केवल धार्मिक क्षेत्र तक सीमित नहीं रहा,बल्कि सामाजिक, राजनीतिक और नैतिक जीवन के हर आयाम को उन्होंने प्रभावित किया।

आज के युग में,जब व्यक्ति अपनी स्वतंत्रता के नाम पर मर्यादाओं को भूलता जा रहा है,तब श्रीराम का जीवन एक संतुलन की प्रेरणा देता है।वे यह सिखाते हैं कि स्वतंत्रता का वास्तविक अर्थ अनुशासन और उत्तरदायित्व के साथ जुड़ा हुआ है। यदि व्यक्ति अपने कर्तव्यों को समझे और उन्हें ईमानदारी से निभाए,तो समाज में स्वतः ही संतुलन स्थापित हो जाएगा।

राम नवमी का यह पावन अवसर हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि क्या हम अपने जीवन में उन आदर्शों को स्थान दे पा रहे हैं, जिनको प्रतिपादन श्रीराम ने किया था।क्या हमारे निर्णयों में सत्य और धर्म का स्थान है,क्या हमारे व्यवहार में करुणा और संवेदनशीलता है,क्या हम अपने कर्तव्यों के प्रति उतने ही सजग हैं,जितने श्रीराम थे।यदि इन प्रश्नों के उत्तर हम खोजने का प्रयास करें, तो यही इस पर्व का वास्तविक उद्देश्य सिद्ध होगा।

अंत में श्रीराम केवल इतिहास के पात्र नहीं हैं,बल्कि वे एक ऐसी चेतना हैं,जो हर युग में प्रासंगिक रहती है।उनका जीवन यह संदेश देता है कि मर्यादा में रहकर भी महानता प्राप्त की जा सकती है, और आदर्शों का पालन करते हुए भी सफलता हासिल की जा सकती है। वाल्मीकि के यथार्थवादी राम और तुलसी के भक्तिमय राम - दोनों मिलकर हमें यह सिखाते हैं कि जीवन को कैसे संतुलित, सार्थक और श्रेष्ठ बनाया जाए। 'भय प्रकट पाला दीन दयाला' की यह पंक्ति केवल एक काव्यात्मक अभिव्यक्ति नहीं,बल्कि यह विश्वास है कि जब भी मानवता संकट में होती है, तब राम किसी न किसी रूप में उसके रक्षक बनकर सामने आते हैं।आज आवश्यकता केवल इस बात की है कि हम अपने भीतर के राम को पहचानें और उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारें।यही सच्चे अर्थों में राम नवमी का उत्सव है, यही उस दिव्य अवतरण का वास्तविक संदेश भी समाज व राष्ट्र के लिए देता है ।

संपादकीय

लाचार पर मार

बीमा कारोबार की जटिलताएं हमेशा से ही आमजन के लिए एक अनसुलझी गुत्थी रही हैं। हमारी भविष्य की आशंकाओं व भय पर फल-फूल रहे इस कारोबार को लेकर गाहे-बगाहे परेशान करने वाली खबरें आती रहती हैं। लेकिन इसके बावजूद तेजी से फल-फूल रहे विभिन्न बीमा कारोबारों की विसंगतियां कम नहीं हुई हैं। इसी तरह मेडिकल बीमा को लेकर बड़ी संख्या में शिकायतें सामने आती रही हैं। दरअसल, लगातार महंगी होती चिकित्सा सुविधाओं के दौर में, भविष्य में महंगे इलाज का खर्च उठाने का भरोसा दिलाकर बीमा कंपनियां लोगों को बीमा पॉलिसियां खरीदने को मानसिक रूप से तैयार कर लेती हैं। लेकिन विडंबना यह है कि जब वास्तव में कोई बीमार पड़ता है तो इलाज पर हुए खर्च के भुगतान को लेकर तमाम किंतु-परंतु बीमा कंपनियां करने लगती हैं। कई खामियां निकाली जाती हैं, जिनके बारे में बीमा धारक को पता ही नहीं होता है। कई बार तो छिपे-ढके कारण बताकर चिकित्सा खर्च की भरपाई करने से भी मना कर दिया जाता है। भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण यानी आईआरडीए के आंकड़ों ने बीमा कंपनियों के मुनाफा खेल को उजागर किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2024 में छब्बीस हजार करोड़ रुपये के बीमा दावे खारिज किए गए थे। निस्संदेह, ये आंकड़ा बीमा कंपनियों तथा पांच सितारा अस्पताल प्रबंधकों के अपवित्र गठबंधन को ही दशार्ता है। बाकायदा पिछले दिनों राज्यसभा में निजी अस्पतालों और स्वास्थ्य बीमा कंपनियों के अपवित्र गठजोड़ का मामला उठाया गया। जो हर साल हजारों लोगों को कर्ज व गरीबी की दलदल में धकेल देता है। अक्सर आरोप लगता है कि मरीजों को उपचार के मुकाबले बेहद कम राशि का भुगतान किया जाता है। ऐसा नहीं है कि प्राइवेट अस्पतालों व बीमा कंपनियों के मध्य सांठगांठ के मामले सामने नहीं आते। लेकिन हमारा नियामक-तंत्र सारे घटनाक्रम की अनदेखी कर देता है। विडंबना यह भी है कि केंद्र व राज्य सरकारों के स्तर पर भी इस मुनाफाखोरी पर समय रहते अंकुश नहीं लगाया जाता है, जिससे लोगों को उलटे उस्तरे से मूंडने का खेल बदस्तूर जारी रहता है। दरअसल, लोग जब कोई स्वास्थ्य बीमा कराते हैं तो उन बारीकियों के बारे में नहीं बताया जाता है, जिसके आधार पर मरीजों के चिकित्सा बीमा राशि को खारिज किया जाता है। अक्सर इलाज के बड़े खर्चे के दावे को कई मीन-मेख निकालकर नकार दिया जाता है। कई बार तो अमानवीयता की हदें भी सामने आती हैं जब मरीज की मृत्यु पर, खर्च चुकाने में असमर्थ होने पर अस्पताल प्रबंधक परिजनों को पार्थिव शरीर तक को देने से मना कर देते हैं। जबकि इस बारे में अदालत व सरकार की तरफ से सख्त आदेश हैं कि बकाया राशि के लिए किसी मरीज के शव को रोका नहीं जा सकता। दरअसल, चिकित्सा बीमा आज देश-दुनिया में बड़ा कारोबार बन गया है। लेकिन पश्चिमी देशों में भुगतान में ईमानदारी व कार्यशैली में पारदर्शिता से इस व्यवसाय का विस्तार हुआ है। लेकिन भारत में ईमानदारी, पारदर्शिता के अभाव व दोषपूर्ण कार्यशैली से चिकित्सा बीमा के औचित्य पर ही सवाल उठते हैं।

चिंतन-मनन

प्रकाशस्रोत परमात्मा

परमात्मा या भगवान ही सूर्य, चन्द्र तथा नक्षत्रों जैसी प्रकाशमान वस्तुओं के प्रकाशस्रोत हैं। वैदिक साहित्य बताता है कि वैकुंठ राज्य में सूर्य या चन्द्रमा की आवश्यकता नहीं पड़ती, क्योंकि वहां परमेश्वर का तेज विद्यमान है।भौतिक जगत में ब्रम्हज्योति या भगवान का आध्यात्मिक तेज भौतिक तत्वों से ढका रहता है। अतः हमें सूर्य, चन्द्र, बिजली आदि के प्रकाश की आवश्यकता पड़ती है। वैदिक साहित्य में स्पष्ट है कि भगवान आध्यात्मिक जगत (वैकुंठ लोक) में स्थित हैं।श्वेतातर उपनिषद में कहा गया है-आदित्यवर्ण तमसः परस्तात अर्थात वे सूर्य की भांति अत्यन्त तेजोमय हैं, लेकिन भौतिक जगत के अन्धकार से बहुत दूर हैं। उनका ज्ञान दिव्य है। वैदिक साहित्य पुष्टि करता है कि ब्रम्ह घनीभूत दिव्य ज्ञान है। जो वैकुंठ जाने का इच्छुक है, उसे परमेश्वर द्वारा ज्ञान प्रदान किया जाता है। एक वैदिक मंत्र है तं ह देवम आत्मबुद्धिप्रकाशं मुमुक्षुवै शरणामहं प्रपद्ये। अर्थात मुक्ति के इच्छुक मनुष्य को चाहिए कि वह भगवान की शरण में जाए। जहां तक चरम ज्ञान के लक्ष्य का सम्बन्ध है, वैदिक साहित्य से भी पुष्टि होती है-तमेव विदित्वाति मृत्युमेति यानी उन्हें जान लेने के बाद ही जन्म तथा मृत्यु की परिधि को लांघा जा सकता है।

वे प्रत्येक हृदय में परम नियन्ता के रूप में स्थित हैं। परमेश्वर के हाथ-पैर सर्वत्र फैले हैं लेकिन जीवात्मा के विषय में ऐसा नहीं कहा जा सकता। अतः मानना ही पड़ेगा कि कार्यक्षेत्र जानने वाले दो ज्ञाता हैं- एक जीवात्मा तथा दूसरा परमात्मा। पहले के हाथ-पैर किसी एक स्थान तक सीमित हैं जबकि कृष्ण के हाथ-पैर सर्वत्र फैले हैं। इसकी पुष्टि श्वेतातर उपनिषद में इस प्रकार हुई है। सर्वस्थ प्रभुमीशानं सर्वस्य शरणं बृहत यानी वह परमेश्वर या परमात्मा समस्त जीवों का स्वामी या प्रभु है। वह उन सबका चरम आश्रय है। अतः इस बात से मना नहीं किया जा सकता कि परमात्मा तथा जीवात्मा भिन्न हैं।

अमेरिका के युद्ध विराम घोषणा से निकली शांति की किरण

मनोज कुमार अग्रवाल

अमेरिका का पांच दिन के लिए एक तरफा युद्ध विराम का एलान बेहद खराब दौर में पहुंच चुके हालात में शांति का संदेश वाहक बन रहा है। मध्य पूर्व में तनाव के बीच ताजा घटनाक्रम इस ओर इशारा कर कर रहे हैं कि अब मिसाइल अटैक थमने को तैयार हैं। अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच हालिया तनाव में आया यह अल्पविराम महज एक रणनीतिक ठहराव नहीं, बल्कि वैश्विक संतुलन के लिए एक निर्णायक अवसर है। पिछले 24 दिनों से इजरायल अमेरिका और ईरान के बीच जारी भयंकर युद्ध के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के द्वारा पांच दिन के लिए युद्ध विराम की घोषणा करना निःसंदेह वैश्विक स्तर पर एक राहत देने वाली खबर हैं। युद्ध जैसे विनाशकारी परिदृश्य में जब भी संवाद और विराम की संभावना बनती है, वह केवल संबंधित देशों के लिए ही नहीं बल्कि पूरी मानवता के लिए आशा की किरण लेकर आती है। ऐसे समय में जब हर दिन नई तबाही और अनिश्चितता का संदेश ला रहा था, अमेरिका की ओर से सैन्य कार्रवाई को अस्थायी रूप से रोकने का निर्णय एक महत्वपूर्ण मोड़ के रूप में देखा जा सकता है। इसमें कोई दोमत नहीं है कि अमेरिका और ईरान के बीच संभावित बातचीत और सीमित समय के। के लिए सैन्य सैन्य कार्रवाई रोकने के संकेत ने वैश्विक स्तर पर उम्मीद की एक नई किरण जगाई है। इसका कारण है कि यह केवल दो देशों के बीच टकराव का मुद्दा नहीं है, बल्कि इसका प्रभाव पूरी दुनिया अर्थव्यवस्था, राजनीति और मानवता पर पड़ रहा है।

आजकल युद्ध अब केवल सीमाओं तक सीमित नहीं रहते, बल्कि उनके दुष्प्रभाव पूरी दुनिया को हिला देते हैं। तेल और गैस की कीमतों में उछाल ने वैश्विक अर्थव्यवस्था की नब्ज पर सीधा प्रहार किया है। विकासशील देशों के लिए यह संकट और गहरा है, जहां महंगाई पहले ही आम आदमी की कमर तोड़ रही है। ऐसे में यह युद्ध केवल तीन देशों का मसला नहीं, बल्कि पूरी मानवता के आर्थिक और सामाजिक संतुलन का प्रश्न बन चुका है। सामरिक दृष्टि से देखा जाए तो अमेरिका और इजराइल ने ईरान की सैन्य क्षमताओं को गहरी चोट पहुंचाई है। उसके पूरे नेतृत्व को खत्म कर दिया।

आपको पता रहे कि ईरान के कई रणनीतिक ठिकानों और आधारभूत ढांचे को ध्वस्त कर ईरान को करीब 20 से 25 साल पीछे धकेल दिया है।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के ऊर्जा ठिकानों पर हमले को अस्थायी रूप से टालने का निर्णय, भले ही पांच दिनों के लिए हो, एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक संकेत है। यह दिखाता है कि युद्ध के बीच भी बातचीत की संभावना सरावना पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। हालांकि, इस निर्णय को लेकर कई सवाल भी उठते हैं, खासकर तब जब ईरान ने किसी भी प्रकार की प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष बातचीत से इनकार किया है। ऐसे में यह स्पष्ट है कि स्थिति अभी भी अनिश्चितताओं से भिरी हुई है। इस संघर्ष की पृष्ठभूमि को समझना आवश्यक है। माना जा रहा है कि अमेरिका ने काफी मजबूरी में युद्ध विराम का फैसला लिया है। अमेरिका शुरूआती रणनीति में यह मानकर चला था कि सीमित सैन्य कार्रवाई के बाद ईरान के भीतर बाद ईरान के भीतर जन असंतोष उभरेगा और सत्ता परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त होगा। लेकिन यह आकलन गलत साबित हुआ। न तो जनता सड़कों पर उतरी और न ही सत्ता संरचना में कोई तत्काल बदलाव आया। इससे यह स्पष्ट हो गया कि बाहरी हस्तक्षेप के आधार पर किसी देश की आंतरिक राजनीति को बदलना इतना आसान नहीं है। युद्ध को आगे बढ़ाने का विकल्प अमेरिका के सामने था, लेकिन इसके साथ कई गंभीर जोखिम जुड़े थे। अफगानिस्तान और इराक के अनुभव पहले से ही अमेरिका के सामने हैं, जहां लंबे सैन्य अभियानों ने न केवल आर्थिक बल्कि राजनीतिक रूप से भी भारी कीमत वसूल की। इस पूरे घटनाक्रम में खाड़ी देशों की भूमिका भी अहम रही है। ओमान, कतर और सऊदी अरब जैसे देशों ने स्पष्ट संकेत दिए कि वे इस संघर्ष के विस्तार के पक्ष में नहीं हैं। उनके लिए यह युद्ध आर्थिक और सामरिक रूप से नुकसानदेह साबित हो सकता है। यदि ईरान के ऊर्जा ठिकानों पर हमला होता, तो जवाबी कार्रवाई में खाड़ी क्षेत्र के तेल और गैस संसाधन भी निशाने पर आ सकते थे। इससे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर गंभीर असर पड़ता। होर्मुज जलडमरूमध्य का मुद्दा भी इस संघर्ष के केंद्र में है। यह दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में से एक है, जहां से वैश्विक तेल आपूर्ति का बड़ा हिस्सा गुजरता है। यदि यहां तनाव बढ़ता है या मार्ग पूरी तरह से अवरुद्ध होता है, तो इसका असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ना तय है। यही कारण है कि सैन्य विशेषज्ञों ने भी इस क्षेत्र में युद्धपोत भेजने के जोखिमों को लेकर चेतावनी दी है। आर्थिक दृष्टिकोण से देखें तो इस संघर्ष ने पहले ही वैश्विक बाजारों को झकझोर दिया है। तेल की कीमतों में तेजी, गैस की कीमतों में उछाल और शेयर बाजारों में अस्थिरता ने यह स्पष्ट कर दिया है कि बुद्ध केवल सीमाओं तक सीमित नहीं रहता। भारत जैसे देशों के लिए, जो ऊर्जा आयात पर निर्भर हैं, इसका सीधा असर महंगाई और आर्थिक विकास पर पड़ता है। हालांकि, जैसे ही युद्धविराम की संभावना सामने आई, बाजारों ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। तेल की कीमतों में गिरावट और शेयर बाजारों में तेजी यह दशार्ती है कि निवेशक और वैश्विक अर्थव्यवस्था स्थिरता की उम्मीद कर रहे हैं। यह एक संकेत है कि शांति केवल मानवीय दृष्टिकोण से ही नहीं, बल्कि आर्थिक दृष्टि से भी अनिवार्य है। फिर भी, यह समझना जरूरी है कि यह पांच दिनों का युद्धविराम एक स्थायी समाधान नहीं है। ट्रंप द्वारा ईरान के ऊर्जा ढांचे पर हमले टालने का निर्णय इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण संकेत है। यह फैसला दशार्ता है कि कूटनीति की खिड़की अभी बंद नहीं हुई है। पांच दिनों का यह ठहराव केवल सैन्य रणनीति नहीं, बल्कि संवाद के लिए एक संभावित दरवाजा है। यहां बता दे कि ईरान द्वारा किसी भी बातचीत से इनकार और अपनी शर्तों पर अड़े रहना यह बताता है कि रास्ता अभी आसान नहीं है। ईरान की ओर से रखी गई शर्तें,अमेरिकी सैन्य ठिकानों का बंद होना, होर्मुज जलडमरूमध्य के लिए नए नियम और मीडिया से जुड़े व्यक्तियों पर कार्रवाई स्पष्ट रूप से उसकी रणनीतिक सोच को दशार्ती हैं। यह केवल युद्धविराम नहीं, बल्कि क्षेत्रीय शक्ति संतुलन को अपने पक्ष में मोड़ने की कोशिश है। दूसरी ओर, अमेरिका और उसके सहयोगी इन शर्तों को स्वीकार करने की स्थिति में शायद ही हों। ऐसे में गतिरोध की स्थिति बनना स्वाभाविक है। फिर भी, इस पूरे घटनाक्रम का सबसे सकारात्मक पहलू यह है कि तनाव कम होते ही तेल की कीमतों में गिरावट आई है। अब समय आ गया है कि युद्ध की भाषा को छोड़कर बातचीत की भाषा अपनाई जाए। युद्ध विराम इतिहास के पन्नों में एक निर्णायक मोड़ बन सकता है, बशर्ते इसे समझदारी और दूरदृष्टि के साथ पूर्ण विराम में बदला जाए।हालांकि हो सकता है कि दोनों पक्ष एक-दूसरे के इरादों को परख रहे हैं। यदि बातचीत आगे बढ़ती है, तो यह एक बड़े समझौते का रास्ता खोल सकती है। लेकिन यदि यह प्रयास विफल होता है, तो संघर्ष और भी तीव्र रूप ले सकता है। इस पूरे घटनाक्रम में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि युद्ध का कोई स्थायी समाधान नहीं होता। इतिहास गवाह है कि सैन्य संघर्ष अंततः बातचीत की मेज पर ही समाप्त होते हैं। ऐसे में यह जरूरी है कि दोनों पक्ष संयम बरतें और कूटनीतिक रास्ते को प्राथमिकता दें। मानवता के दृष्टिकोण से देखें तो युद्ध का सबसे बड़ा नुकसान आम लोगों को होता है। चाहे वह ईरान हो, इजरायल हो या कोई अन्य देश युद्ध की कीमत हमेशा निर्दोष नागरिकों को चुकानी पड़ती है। ऐसे में हर वह कदम, जो बुद्ध को रोकने की दिशा में उठाया जाता है, स्वागत योग्य है। आज जब दुनिया पहले ही कई संकटों, आर्थिक अस्थिरता, जलवायु परिवर्तन और सामाजिक तनाव से जूझ रही है, तब एक और बड़े बुद्ध की संभावना चिंता का विषय है। ऐसे समय में वैश्विक नेतृत्व की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है कि वे शांति और स्थिरता को प्राथमिकता दें। अंततः यह पांच दिनों का विराम केवल एक अवसर है एक मौका, जिसे यदि सही दिशा में उपयोग किया जाए, तो यह स्थायी शांति की ओर पहला कदम बन सकता है। लेकिन यदि इसे खो दिया गया, तो इसके परिणाम केवल क्षेत्रीय नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर गंभीर होंगे। दुनिया आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां उसे यह तय करना है कि वह टकराव का रास्ता चुनेगी या संवाद का। हकीकत यह है कि युद्ध के आंकड़ों और रणनीतियों के बीच अक्सर मानवीय पहलू दव जाता है। लेकिन वास्तविकता यह है कि हर संघर्ष के पीछे लाखों लोगों का जीवन प्रभावित होता है। विस्थापन, आर्थिक संकट, मानसिक तनाव ये सभी युद्ध के अदृश्य लेकिन गहरे प्रभाव हैं। इसलिए किसी भी निर्णय में मानवीय दृष्टिकोण को प्राथमिकता देना आवश्यक है।

बढ़ती गर्मी और जलवायु संकट का वर्तमान पर असर

कांतिलाल मांडोत

मार्च के महीने में ही जिस तरह से देश के बड़े हिस्से में भीषण गर्मी ने दस्तक दी है वह सामान्य मौसमी बदलाव नहीं बल्कि एक गंभीर चेतावनी है। उत्तर मध्य और पश्चिमी भारत के राज्यों में तापमान का तेजी से बढ़ना और लू जैसी परिस्थितियों का समय से पहले बनना यह संकेत देता है कि जलवायु परिवर्तन अब भविष्य का खतरा नहीं बल्कि वर्तमान की सच्चाई बन चुका है। जहां पहले मई और जून में हीट स्ट्रोक और लू से मौतों की खबरें आती थीं वहीं अब मार्च में ही ऐसे समाचार सामने आने लगे हैं। इससे स्पष्ट है कि मौसम का पारंपरिक चक्र असंतुलित हो चुका है और इसका सीधा असर आम आदमी के जीवन पर पड़ रहा है।

जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग के कारण वातावरण में कार्बन उत्सर्जन बढ़ा है जिससे तापमान लगातार ऊपर जा रहा है। इस बढ़ते तापमान का प्रभाव केवल गर्मी तक सीमित नहीं है बल्कि यह जीवन के हर क्षेत्र को प्रभावित कर रहा है। दिन और रात के तापमान के बीच का अंतर कम हो रहा है और रात का तापमान अपेक्षाकृत तेजी से बढ़ रहा है जिससे शरीर को राहत नहीं मिल पाती। यह स्थिति स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा बनती जा रही है क्योंकि लगातार गर्मी में रहने से शरीर की सहनशक्ति कम होती है और हीट स्ट्रोक जैसी समस्याएं बढ़ती हैं।

देश के पहाड़ी क्षेत्रों में भी तापमान का बढ़ना एक चिंताजनक संकेत है। हिमालय की चोटियों पर बर्फ का तेजी से पिघलना आने वाले समय में जल संकट का कारण बन सकता है। शुरूआती समय में नदियों में पानी का बहाव बढ़ता है लेकिन धीरे धीरे यह स्रोत कमजोर पड़ने लगते हैं जिससे भविष्य में पानी की कमी की समस्या गहराती है। उपग्रह आंकड़ों और वैज्ञानिक अध्ययनों से यह स्पष्ट हो चुका है कि ग्लेशियर सिकुड़ रहे हैं और यदि यही स्थिति बनी रही तो आने वाले वर्षों में कई नदियों का जलस्तर प्रभावित होगा। इससे न केवल पेयजल संकट बढ़ेगा बल्कि राज्यों के बीच जल विवाद भी तेज हो सकते हैं।

स्थानीय स्तर पर भी तापमान में अचानक बढ़ोतरी के कई कारण हैं। तेजी से हो रहा शहरीकरण हरियाली की कमी और कंक्रीट के बढ़ते जंगल शहरों को गर्म द्वीप में बदल रहे हैं। पेड़ों की कटाई और जल स्रोतों के खत्म होने से प्राकृतिक संतुलन बिगड़ रहा है। इसके साथ ही मरुस्थलीय क्षेत्रों से आने वाली गर्म हवाएं उत्तर भारत के बड़े हिस्से को प्रभावित करती हैं जिससे लू का असर और तेज हो जाता है। इस बार इन हवाओं का प्रभाव जल्दी देखने को मिला है जिससे गर्मी का प्रकोप बढ़ गया है।

कृषि क्षेत्र इस बदलाव से सबसे अधिक प्रभावित हो रहा है। तापमान बढ़ने से फसलें समय से पहले पक रही हैं जिससे उत्पादन की गुणवत्ता और मात्रा दोनों प्रभावित हो रही हैं। सरसों जैसी फसलें जल्दी तैयार हो गई हैं और गेहूं पर भी इसका असर साफ दिखाई दे रहा है। विशेषकर देर से बोई गई फसलें अधिक प्रभावित हो रही हैं क्योंकि उन्हें पकने के समय ज्यादा गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। इसके कारण उत्पादन में कमी आने की आशंका है और इसका सीधा असर किसानों की आय पर पड़ता है। बाजार में समर्थन मूल्य पर खरीद की व्यवस्था भी कई बार पर्याप्त नहीं होती जिससे किसानों को कम कीमत पर अपनी उपज बेचने के लिए मजबूर होना पड़ता है।

पानी का संकट इस पूरी स्थिति को और गंभीर बना रहा है। बढ़ती गर्मी के कारण जहां एक ओर पानी की मांग बढ़ रही है वहीं दूसरी ओर जल स्रोत तेजी से घट रहे हैं। कई राज्यों में भूजल का अत्यधिक दोहन हो रहा है जिससे जल स्तर लगातार नीचे जा रहा है। शहरों में पानी के उपयोग पर प्रतिबंध और जुमार्ने जैसे कदम उठाए जा रहे हैं लेकिन यह केवल अस्थायी समाधान हैं। यदि जल संरक्षण के स्थायी उपाय नहीं किए गए तो आने वाले समय में स्थिति और विकट हो सकती है।

पर्यावरणीय बदलाव का असर केवल इंसानों तक सीमित नहीं है बल्कि वनस्पतियों और जीव जंतुओं पर भी पड़ रहा है। बढ़ती गर्मी से पेड़ों की नई कोपलें प्रभावित होती हैं और कई पौधों की वृद्धि रुक जाती है। जंगलों में आग लगने की घटनाएं बढ़ रही हैं जिससे वन्य जीवों का आवास नष्ट हो रहा है। पानी के स्रोत सूखने से जानवरों के सामने भी जीवित रहने का संकट खड़ा हो रहा है। यह पूरा पारिस्थितिकी तंत्र के लिए एक गंभीर खतरा है।

इस स्थिति से निपटने के लिए अब केवल चर्चा या चेतावनी पर्याप्त नहीं है बल्कि ठोस कदम उठाने की जरूरत है। जल संरक्षण को प्राथमिकता देनी होगी और वर्षा जल संचयन को बड़े स्तर पर लागू करना होगा। खेतों में पानी के बेहतर उपयोग के लिए आधुनिक तकनीकों को अपनाना जरूरी है। किसानों को ऐसी फसलों की ओर प्रोत्साहित करना होगा जो कम पानी में भी अच्छी पैदावार दे सकें। इसके साथ ही ऊर्जा के क्षेत्र में भी बदलाव जरूरी है। पवन और सौर ऊर्जा जैसे स्वच्छ स्रोतों को बढ़ावा देना होगा ताकि प्रदूषण कम हो और तापमान वृद्धि पर नियंत्रण पाया जा सके।

सामाजिक स्तर पर भी जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है। लोगों को पानी के सही उपयोग और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जिम्मेदार बनाना होगा। शहरों में हरियाली बढ़ाने और पेड़ लगाने के प्रयासों को तेज करना होगा ताकि तापमान को नियंत्रित किया जा सके। इसके साथ ही सरकार और समाज दोनों को मिलकर एक दीर्घकालिक रणनीति बनानी होगी जिससे इस बढ़ते संकट का प्रभाव कम किया जा सके।

अंततः यह स्पष्ट है कि बढ़ती गर्मी और जलवायु परिवर्तन का संकट अब हमारे सामने खड़ा है और इसका प्रभाव हर क्षेत्र में दिखाई दे रहा है। यदि समय रहते सही कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले वर्षों में यह समस्या और भी गंभीर रूप ले सकती है। इसलिए जरूरी है कि हम सभी मिलकर इस चुनौती का सामना करें और अपने पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए जिम्मेदारी से कार्य करें।

(वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार स्तम्भकार)

संक्षिप्त समाचार

फ्रांस के राष्ट्रपति ने लेबनान की संप्रभुता का सम्मान करने की अपील की

पेरिस, एजेंसी। पश्चिम एशिया में उपजे तनाव के बीच इस्राइल ने लेबनान पर भी ताबड़तोड़ हमले किए हैं। ईरान और अमेरिका-इस्राइल के टकराव के बीच लेबनान में हो रही बमबारी को लेकर फ्रांस ने चिंता जताई है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा है कि लेबनान की संप्रभुता का सम्मान किया जाना चाहिए। बता दें कि तनावपूर्ण हालात के बीच 22 देशों ने ईरान से युद्ध रोकने की अपील की है। भारत की संसद से पीएम मोदी ने भी शांति की अपील करते हुए कूटनीति पर जोर दिया है। इसी बीच रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि पाकिस्तान ने मध्यस्थता की पहल की है और ईरान-अमेरिका के अधिकारी इस्लामाबाद में मिल सकते हैं। फिलहाल, 25 दिनों से बमबारी जारी है। अमेरिका, ईरान और इस्राइल में कोई भी पक्ष पीछे हटने को तैयार नहीं दिख रहा है। वैश्विक ताकतों के इस टकराव के कारण पश्चिम एशिया और खाड़ी देशों में उपजा ये अभूतपूर्व मानवीय संकट और गहराने की आशंका है।

अमेरिका ने अपने नागरिकों के लिए 'लेवल 4 : यात्रा न करें' चेतावनी जारी की

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश विभाग ने नागरिकों को इराक तुरंत छोड़ने की चेतावनी दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान समर्थित आतंकवादी मिलिशिया ने इराक और कुर्दिस्तान क्षेत्र में अमेरिकी ठिकानों पर हमले किए हैं। अमेरिका का आरोप है कि अमेरिकी लोगों को निशाना बनाया जा रहा है, ऐसे में मिसाइलों, ड्रोन और रॉकेटों के जोखिम के चलते दूतावास या वाणिज्य दूतावास जाने से बचें। सभी कांसुलर सेवाएं निलंबित हैं इराक जाने से बचने की अपील करते हुए अमेरिका ने अपने नागरिकों के लिए 'लेवल 4 : यात्रा न करें' चेतावनी जारी की है। शनिवार को विदेश विभाग ने विश्वव्यापी चेतावनी भी जारी की थी। इसमें ईरानी समर्थकों द्वारा अमेरिकी नागरिकों को निशाना बनाने की आशंका जताई गई। अमेरिकियों को मध्य पूर्व सहित दुनिया भर में अत्यधिक सावधानी बरतने की सलाह दी गई।

ऑस्ट्रेलिया :16 साल से कम उम्र के बच्चों के इलेक्ट्रिक मोबिलिटी डिवाइस चलाने पर लगेगा प्रतिबंध

सिडनी , एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड राज्य में नए सुरक्षा कानूनों के तहत 16 साल से कम उम्र के बच्चों को इलेक्ट्रिक मोबिलिटी डिवाइस (जैसे ई-बाइक और ई-स्कूटर) चलाने की अनुमति नहीं होगी। यह फैसला मंगलवार को घोषित किया गया। राज्य सरकार ने बताया कि ई-मोबिलिटी सुरक्षा पर बनी संसदीय समिति की सभी 28 सिफारिशों को पूरी तरह या सिद्धांत रूप में स्वीकार कर लिया गया है। इनमें 16 साल से कम उम्र के बच्चों पर प्रतिबंध भी शामिल है। क्वींसलैंड के परिवहन मंत्री ब्रेंट मिकेलबर्ग ने कहा कि सरकार जल्द ही इन सिफारिशों को कानून बनाने के लिए संसद में पेश करेगी। नए नियमों के मुताबिक, ई-बाइक और ई-स्कूटर चलाने के लिए कम से कम क्वींसलैंड का लर्नर ड्राइविंग लाइसेंस होना जरूरी होगा। यह लाइसेंस 16 साल की उम्र में मिलता है, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि चलाने वाले को ट्रैफिक नियमों की जानकारी हो। जांच में सामने आया कि साल 2025 में क्वींसलैंड में ई-मोबिलिटी से जुड़े हादसों में 12 लोगों की मौत हुई और 6,300 लोग घायल हुए।

अमेरिका को मिलेगा सऊदी और यूएई का साथ! ईरान के खिलाफ युद्ध में उतर सकते हैं 2 और देश

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी युद्ध अब और भीषण होने जा रहा है। खबर है कि ईरान के खिलाफ युद्ध में सऊदी अरब और यूएई यानी संयुक्त अरब अमीरात युद्ध में शामिल होने की तैयारी कर रहे हैं। हालांकि, अब तक इसे लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। अमेरिका के खिलाफ ऐक्शन में ईरान ने यूएई समेत कई जगहों पर धमाके किए थे। लॉल स्ट्रीट जनरल के अनुसार, सऊदी अरब और यूएई ने ईरान युद्ध में शामिल होने के लिए कुछ कदम उठाए हैं। मामले के जानकारों ने अखबार को बताया कि सऊदी अरब ने किंग फाहद एयर बेस तक अमेरिका को पहुंच प्रदान करने में सहमति जताई है। खास बात है कि सऊदी अरब लंबे समय से कहता आ रहा है कि उसके एयर बेस का इस्तेमाल पुराने दुश्मन पर हमले के लिए नहीं किया जा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, कहा जा रहा है कि यूएई ने ईरान के मालिकाना हक वाले एक अस्पताल और क्लब को बंद कर दिया है। माना जा रहा है कि तेहरान के लिए ये ठिकाने बेहद अहम थे। अखबार के अनुसार, कुछ वीडियोज से जाहिर तौर पर यह भी पता चला कि ईरान पर हमले में इस्तेमाल की गई मिसाइलें बहरीन से दागी गई थीं। कूटनीतिक मोर्चे पर सऊदी अरब ने ईरान के सैन्य अटैची और चार दूतावास कर्मचारियों को देश छोड़ने का आदेश दिया है। सऊदी अरब ने ईरान पर अपनी क्षेत्रीय संप्रभुता के उल्लंघन का आरोप लगाया है।

ट्रम्प ने रक्षामंत्री के कहने पर ईरान पर हमला किया

उपराष्ट्रपति वेंस इससे खुश नहीं थे ; ईरान को एटमी हथियार बनाने से रोकना था

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि ईरान पर हमले को लेकर सबसे पहले उन्होंने अपने रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ से बात की थी। उन्होंने कहा कि पीट ने कहा, चलिए सैन्य कार्रवाई करके देखते हैं। अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध को चार हफ्ते होने वाले हैं। फिलहाल युद्ध थमने का कोई रास्ता नजर नहीं आ रहा है। अब डोनाल्ड ट्रंप भी इस युद्ध का ठीकरा अपने ही रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ पर फोड़ रहे हैं। उन्होंने सोमवार को ही एक कार्यक्रम में कहा कि उनके डिफेंस सेक्रेटरी हेगसेथ ने ही सबसे पहले इस सैन्य कार्रवाई का दबाव डाला था। ट्रंप ने अपने साथ ही बैठे हेगसेथ से कहा, पीट, मुझे लगता है कि इस बारे में हम दोनों ने ही सबसे पहले बात की थी और आपने कहा था कि चलो करके देखते हैं। आपने कहा था कि उन्हें (ईरान) इस तरह से परमाणु हथियार रखने की छूट नहीं दी जा सकती। बता दें कि ईरान पर अमेरिका के हमले को लेकर डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन भी अलग-अलग जवाब देता है। वहीं जानकारों का कहना है कि इजरायल ईरान पर हमला कर रहा था और ऐसे में अमेरिका को भी उसके साथ कूदना पड़ा। अन्य लोगों का कहना है कि ईरान बड़ी संख्या में परमाणु हथियारों को तैनात करने की तैयारी कर रहा था, ऐसे में उसे रोकना जरूरी था।

समझौता चाहता है ईरान-डोनाल्ड ट्रंप : डोनाल्ड ट्रंप ने होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के लिए ईरान को दी गई समयसीमा बढ़ा दी है, साथ ही उन्होंने कहा कि अमेरिका ईरान के ऊर्जा संयंत्रों पर हमले को अब पांच दिन के लिए टाल देगा। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि अमेरिकी दूत एक ''सम्मानित'' ईरानी नेता के साथ बातचीत कर रहे हैं और ईरान ''समझौता करना चाहता है।' वहीं ईरान के अधिकारियों ने ऐसी किसी भी बात से साफ इनकार किया और कहा कि ''ईरान की कड़ी चेतावनी के बाद'' अमेरिकी राष्ट्रपति ने पीछे हटने का निर्णय किया।

ईरान में 1500 की मौत : ट्रंप ने पत्रकारों से कहा, ''हम कोई परमाणु बम या परमाणु हथियार नहीं देखना चाहते।'' इस बीच ईरान में संघर्ष में मरने वालों की संख्या बढ़कर 1,500 से अधिक जबकि लेबनान में 1,000 से अधिक पहुंच गई है। वहीं इजराइल में 15 और 13 अमेरिकी सैन्य कर्मी मारे गए हैं। इसके अलावा, खाड़ी क्षेत्र में भी कई नागरिक मारे गए है। ईरान और लेबनान में लाखों लोग विस्थापित हुए हैं। उत्तरी इजराइल में एक संभावित हमले की सूचना के बाद मंगलवार तड़के राहत एवं बचाव टीम घटनास्थल पर पहुंचीं। 'होम फ्रंट कमांड' के अनुसार, इलाके में किसी वस्तु के गिरने की खबर मिली थी, जिसके बाद बचाव अभियान शुरू किया गया। लोगों से अपील की गई कि वे उस क्षेत्र में एकत्र न हों। इससे पहले इजराइली सेना ने चेतावनी दी थी कि ईरान की ओर से इजराइल की तरफ मिसाइलें दागी जा रही हैं। इस बीच, इजराइल की वायुसेना ने बेरूत के दक्षिणी उपनगरों पर जोरदार हवाई हमले किए। सेना का कहना है कि इन हमलों का लक्ष्य हिज्बुल्ला के ठिकाने और बुनियादी ढांचे थे, इन हमलों में किसी के हताहत होने की फिलहाल कोई सूचना नहीं है। हमलों के दौरान बहुत नीचे उड़ते लड़ाकू विमानों की आवाज़ें सुनी गईं, जिससे इलाके में दहशत फैल गई। लेबनानी अधिकारियों ने कहा है कि इजराइली हमलों में अब तक लेबनान में 1,000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और लगभग 10 लाख लोग विस्थापित हो गए हैं।

होर्मुज से जहाज सुरक्षित निकालने के लिए ईरान ने दुनिया के सामने रखी शर्त

तेहरान, एजेंसी। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में फंसे जहाजों को निकालने का एकमात्र रास्ता ईरानी अधिकारियों से पहले से की गई बातचीत है। हाल ही में ईरान की सुरक्षा परिषद ने यह ऐलान किया है। साथ ही परिषद ने चेतावनी दी है कि अगर ईरान के तटों या द्वीपों को निशाना बनाने की कोशिश की गई, तो बड़े जलमार्गों पर नौसैनिक बारूदी सुरंगे बिछा दी जाएंगी। युद्ध के बीच स्ट्रेट के दोनों ओर बड़ी संख्या में तेल के जहाज फंसे हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अुसार, सोमवार को परिषद ने होर्मुज को लेकर बड़ी घोषणा की है। इसमें कहा गया है कि अब गैर शत्रुतापूर्ण जहाज या नॉन हॉस्टाइल वैसल्स का स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजरना पूरी तरह से ईरानी अधिकारियों के साथ पहले से तालमेल पर निर्भर होगा। परिषद ने चेताया है कि अगर मुल्क के पावर प्लांट्स पर हमले किए जाते हैं, तो तत्काल और निर्णायक जवाब ईरानी बलों की तरफ से दिया जाएगा।

नेवल माइन्स बिछाने की धमकी : परिषद ने चेतावनी दी है कि यदि ईरानी तटों या द्वीपों को निशाना बनाने की कोई भी कोशिश की गई, तो सभी प्रमुख समुद्री व्यापारिक रास्तों पर 'विभिन्न प्रकार की नौसैनिक बारूदी सुरंगें' बिछा दी जाएंगी। ईरानी अधिकारियों का कहना है कि ऐसे कदम उठाना उनका कानूनी अधिकार है और सैन्य स्तर पर स्वीकार्य भी है। परिषद ने चेताया कि कोई भी रक्षात्मक उपाय फारस की खाड़ी में समुद्री गतिविधियों पर रोक लगा देंगे, जिसके चलते स्ट्रेट ऑफ होर्मुज जैसी स्थिति तैयार हो जाएगी। बयान में कहा गया है कि अगर समुद्री गतिविधियों में रुकावट आती है, तो इसकी जिम्मेदारी वॉशिंगटन और इजरायली शासन की होगी। परिषद ने इस बात की पुष्टि की है कि अगर जहाज सुरक्षित रूप से क्षेत्र से गुजरना चाहते हैं, तो 'ईरान के साथ समन्वय' ही एकमात्र रास्ता है। ईरान को मित्र देशों से अमेरिका की बातचीत के प्रस्ताव के संदेश मिले ईरान के विदेश मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि उसे मित्र देशों के जरिए अमेरिका की बातचीत के प्रस्ताव के बारे में संदेश मिले हैं। हालांकि, उन्होंने इस बात से इनकार किया कि युद्ध शुरू होने के बाद से ऐसी कोई बातचीत हुई है।

सरकारी न्यूज एजेंसी आईआरएनए के मुताबिक, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाकाई ने कहा, पिछले कुछ दिनों में कुछ मित्र देशों के जरिए संदेश मिले हैं, जिनसे पता चलता है कि अमेरिका ने युद्ध खत्म करने के मकसद से बातचीत का प्रस्ताव दिया है। हालांकि, उन्होंने पिछले 24 दिनों से चल रहे इस थोपे गए युद्ध के दौरान अमेरिका के साथ किसी भी तरह की बातचीत या चर्चा से इनकार किया।

ईरान से तनातनी के बीच ट्रंप ने पाकिस्तान सेना प्रमुख जनरल आसिफ मुनीर से फोन पर की बात

वॉशिंगटन , एजेंसी। ईरान और इजरायल-अमेरिका के बीच युद्ध से उपजी चिंताओं के बीच पाकिस्तान दोनों पक्षों के बीच सुलह कराने की कोशिश करता नजर आ रहा है। वह अमेरिका के संदेशों को ईरान पहुंचा रहा है और ईरान के जवाबों से अवगत करा रहा है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान सेना प्रमुख जनरल आसिफ मुनीर से फोन पर बात की। व्हाइट हाउस के मुताबिक चर्चा का मुख्य विषय ईरान युद्ध था। हालांकि इस बातचीत को संवेदनशील बताते हुए अधिकारियों ने और ज्यादा बताने से इनकार कर दिया। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लिविट ने पहले कहा था कि ये संवेदनशील कूटनीतिक चर्चा है और अमेरिका मीडिया के जरिए कोई वार्ता नहीं करेगा। सूत्रों के अनुसार, मुनीर ने ट्रंप से बातचीत की और पाकिस्तान ने खुद को अमेरिकी और ईरानी वरिष्ठ अधिकारियों के बीच वार्ता की संभावित जगह के रूप में पेश किया। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन से बात की। एक्स पोस्ट के जरिए उन्होंने ईद-उल-फितर और नवरोज की शुभकामनाएं दीं और ईरान के लोगों के साथ अपनी सहानुभूति जताई।

शरीफ ने कहा कि दोनों पक्षों ने खाड़ी क्षेत्र की गंभीर स्थिति पर चर्चा की और तनाव कम करने, संवाद और कूटनीति की जरूरत पर सहमति जताई। उन्होंने इस्लामी दुनिया में एकता और क्षेत्र में शांति स्थापित करने में पाकिस्तान की भूमिका पर भी जोर दिया। इस बीच सोमवार को ट्रंप ने कहा कि तेहरान के साथ बेहतर और सार्थक बातचीत के बाद उन्होंने हमले को पांच दिनों तक टालने की घोषणा की थी, हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि पाकिस्तान की मध्यस्थता का ट्रंप के फैसले से सीधा संबंध है या नहीं। ईरान ने सीधे अमेरिका के साथ बातचीत से इनकार किया है, लेकिन विदेश मंत्रालय ने कहा कि कुछ मित्र देशों के माध्यम से संदेश मिले हैं। विश्लेषकों के अनुसार, यह कूटनीतिक प्रयास अभी शुरुआती चरण में है और इसे पूरी तरह से संरचित वार्ता नहीं माना जा सकता।

पाकिस्तान दुनिया का नंबर वन प्रदूषित देश

वाशिंगटन, एजेंसी। पाकिस्तान को दुनिया का सबसे प्रदूषित देश घोषित किया गया है। एक शोध से पता चला है कि पाकिस्तान में खतरनाक सूक्ष्म कणों (पीएम2.5) की सांद्रता विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा बताए गए सुरक्षित स्तर से 13 गुना अधिक है। राहत की बात यह है कि पिछले साल 13 देशों और क्षेत्रों ने अपने औसत पीएम2.5 स्तर को डब्ल्यूएचओ के मानक (5 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से कम) पर बनाए रखा, जबकि 2024 में यह संख्या केवल 7 थी।

टॉप 3 सबसे प्रदूषित देश : स्विस वायु गुणवत्ता निगरानी संस्था 'आईक्यूएयर' द्वारा मंगलवार को जारी की गई 2025 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान प्रदूषण के मामले में नंबर वन देश है। जिन 143 देशों और क्षेत्रों की निगरानी की गई, उनमें से 130 देश डब्ल्यूएचओ के सुरक्षित वायु गुणवत्ता दिशानिर्देशों को पूरा करने में विफल रहे। पाकिस्तान के बाद, बांग्लादेश दुनिया का दूसरा और ताजिकिस्तान तीसरा सबसे प्रदूषित देश रहा। 2024 में दुनिया का सबसे प्रदूषित देश रहा चाड, 2025 में चौथे स्थान पर खिसक गया। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि पीएम2.5 के स्तर में यह गिरावट असल में सुधार नहीं, बल्कि 'डेटा की कमी' का परिणाम है। वहीं भारत इस लिस्ट में छठे स्थान पर है।

डेटा की कमी और अमेरिकी निगरानी कार्यक्रम का बंद होना : पिछले साल मार्च में, अमेरिका ने बजट की कमी का हवाला देते हुए अपने दूतावासों और वाणिज्य दूतावासों से प्रदूषण डेटा इकट्ठा करने वाले वैश्विक निगरानी कार्यक्रम को बंद कर दिया था। आईक्यूएयर रिपोर्ट की प्रमुख लेखिका क्रिस्टी चेस्टर श्रोएडर ने बताया कि मार्च में डेटा खोने से ऐसा लगा कि (चाड में) पीएम2.5 के स्तर में भारी गिरावट आई है, लेकिन वास्तविकता यह है कि हमें इसके बारे में जानकारी ही नहीं है। अमेरिका के इस फैसले ने कई प्रदूषण-ग्रस्त देशों के लिए डेटा का प्राथमिक स्रोत ही खत्म कर दिया। जानकारी के इसी अभाव के कारण बुरुंडी, तुर्कमेनिस्तान और टोगो जैसे देशों को 2025 की रिपोर्ट से बाहर कर दिया गया है। दुनिया का सबसे प्रदूषित शहरः भारत का लोनी शहर 2025 में दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर रहा, जहां औसत पीएम2.5 स्तर 112.5 माइक्रोग्राम दर्ज किया गया। इसके बाद चीन के शिनजियांग क्षेत्र का होटन शहर 109.6 माइक्रोग्राम के साथ दूसरे स्थान पर रहा। यह चिंताजनक है कि दुनिया के शीर्ष 25 सबसे प्रदूषित शहर केवल भारत, पाकिस्तान और चीन में ही स्थित हैं। शहरों का गिरता स्तरः 2025 में दुनिया के केवल 14% शहरों ने डब्ल्यूएचओ के मानकों को पूरा किया, जो कि एक साल पहले (17%) के मुकाबले कम है। इसका एक बड़ा कारण कनाडा के जंगलों में लगी आग थी, जिसने अमेरिका और यूरोप तक पीएम2.5 के स्तर को बढ़ा दिया। ला नीना मौसम प्रणाली के कारण बढ़ी नमी और हवाओं के चलते लाओस, कंबोडिया और इंडोनेशिया में पिछले वर्ष की तुलना में पीएम2.5 में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई।

मध्य पूर्व में हिंसा की बड़ी कीमत चुका रहे बच्चे, संघर्ष में अब तक 2,100 से ज्यादा हताहत : संयुक्त राष्ट्र

न्यूयार्क, एजेंसी। मध्य पूर्व में बढ़ते सैन्य संघर्ष के बाद से अब तक 2,100 से अधिक बच्चे या तो मारे जा चुके हैं या घायल हुए हैं। यह जानकारी संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) के उप कार्यकारी निदेशक टेड चैबन ने दी। उन्होंने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि संघर्ष शुरू हुए 23 दिन हो चुके हैं और इस दौरान पूरे क्षेत्र के बच्चे सबसे ज्यादा नुकसान झेल रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर यह लड़ाई और लंबी चली या बड़े स्तर पर फैल गई, तो लाखों और बच्चों के लिए स्थिति बेहद भयावह हो सकती है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने बताया कि मारे गए लोगों में 206 बच्चे ईरान में, 118 लेबनान में, चार इजरायल में और एक कुवैत में शामिल हैं। उन्होंने बताया कि युद्ध शुरू होने के बाद से हर दिन औसतन 87 बच्चे या तो मारे जा रहे हैं या घायल हो रहे हैं। मौत और चोटों के अलावा, लगातार हो रही बमबारी और लोगों को जगह खाली करने के आदेशों के कारण कई देशों में बड़ी संख्या में लोग अपने घर छोड़ने को मजबूर हुए हैं। ईरान में संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी के अनुमान के मुताबिक करीब 32 लाख लोग विस्थापित हुए हैं, जिनमें लगभग 8 लाख 64 हजार बच्चे शामिल हैं। वहीं लेबनान में 10 लाख से ज्यादा लोग अपने घर छोड़ चुके हैं, जिनमें करीब 3 लाख 70 हजार बच्चे हैं। चैबन ने कहा कि इस संघर्ष के बढ़ने से पहले ही मध्य पूर्व में लगभग 4 करोड़ 48 लाख बच्चे ऐसे हालात में रह रहे थे, जो पहले से ही संघर्ष से प्रभावित थे। हाल ही में लेबनान के अपने दौरे का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि वहां की स्थिति बेहद चिंताजनक है और पूरे क्षेत्र में जो हो रहा है, उस पर दुनिया का पूरा ध्यान और मिलकर कार्रवाई जरूरी है। लेबनान में 350 से ज्यादा सरकारी स्कूलों को राहत शिविर बना दिया गया है, जिससे करीब 1 लाख बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हुई है। इसके अलावा पानी की व्यवस्था खराब हो गई है और लोगों की मदद करते समय कई स्वास्थ्यकर्मियों की मौत भी हुई है। यूनिसेफ ने अब तक 250 से ज्यादा शिविरों और दूर-दराज के इलाकों में 1 लाख 51 हजार विस्थापित लोगों तक जरूरी सामान पहुंचाया है। साथ ही 188 शिविरों में करीब 46 हजार लोगों को पानी और साफ-सफाई की सुविधा दी जा रही है। लेकिन उन्होंने चेतावनी दी कि जरूरतें बहुत तेजी से बढ़ रही हैं और उपलब्ध संसाधन कम पड़ रहे हैं। उन्होंने कहा, 'हम सभी पक्षों को अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून के तहत उनके दायित्वों की याद दिलाते हैं। जैसा कि महासचिव ने संकेत दिया है हमें इस युद्ध को रोकने और आगे बढ़ने के लिए एक राजनीतिक रास्ते की जरूरत है।

ईरान और अमेरिका के बीच दूरी मिटाने में जुटे ये मुस्लिम देश, इस्लामाबाद में हो सकती है मध्यस्थता बैठक

इस्लामाबाद, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव को खत्म करने की कोशिशें लगातार जारी हैं। इस बीच रॉयटर्स की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इस सप्ताह इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक होने की संभावना है।

रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से ईरान के ऊर्जा संयंत्रों पर हमले रोकने के एलान के बाद कूटनीतिक गतिविधियों में तेजी आई है। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि ईरान के साथ सकारात्मक बातचीत की वजह से हमलों को पांच दिन के लिए रोका गया है।

कौन से मुस्लिम देश कर रहे जंग खत्म करने के कूटनीतिक प्रयास : रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि पाकिस्तान, तुर्किये और मिस्र पर्दे के पीछे रहकर दोनों देशों को बातचीत की मेज पर लाने की कोशिश कर रहे हैं। एक वरिष्ठ इस्राइली अधिकारी ने बताया कि इस्लामाबाद में बैठक आयोजित करने के लिए संपर्क जारी हैं, जिसमें अमेरिका और ईरान के शीर्ष प्रतिनिधि शामिल हो सकते हैं।

एक पाकिस्तानी अधिकारी और एक अन्य सूत्र ने बताया कि युद्ध समाप्त करने के लिए बातचीत इसी सप्ताह इस्लामाबाद में हो सकती है। पाकिस्तानी अधिकारी ने बताया कि अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के साथ स्टीव विटकॉफ और ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर के इस्लामाबाद में ईरानी अधिकारियों से मिलने की उम्मीद है। रिपोर्ट में दावा- ईरानी संसद के अध्यक्ष के संपर्क में

अमेरिका इस्राइल को मध्यस्थता के लिए की जा रही इन कोशिशों की जानकारी थी, लेकिन ट्रंप के इस दावे से वह हैरान है कि बातचीत काफी आगे बढ़ चुकी है और कई मुद्दों पर सहमति बन चुकी है। हाल के दिनों में तुर्किये, मिस्र और पाकिस्तान के विदेश मंत्रियों ने अलग-अलग बैठकों में व्हाइट हाउस के दूत स्टीव विटकॉफ और ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची से चर्चा की है। इस्राइली मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर ने ईरान की संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ से भी संपर्क किया है, जो इस संघर्ष के दौरान अहम निर्णयकर्ता के रूप में उभरे हैं। एक सूत्र ने बताया कि मध्यस्थता जारी है और प्रगति हो रही है, जिसका उद्देश्य युद्ध को समाप्त करना और बाकी मुद्दों का समाधान निकालना है। ट्रंप ने किया ईरान पर सैन्य कार्रवाई रोकने का एलान इस बीच ट्रंप ने कहा कि बातचीत काफी मजबूत रही है और कई अहम बिंदुओं पर सहमति बन चुकी है। उन्होंने बताया कि कूटनीति के लिए पांच दिनों तक सैन्य कार्रवाई रोकी गई है। उन्होंने कहा कि अगर बातचीत सफल रहती है तो हम समझौते तक पहुंच जाएंगे, वरना हम फिर से कार्रवाई करेंगे। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि ईरान ने खुद बातचीत के लिए संपर्क किया है।

टेक्सास की तेल रिफाइनरी में विस्फोट से हड़कंप, स्थानीय लोगों को घरों के अंदर रहने की सलाह

टेक्सास, एजेंसी। अमेरिका में टेक्सास तट के पास सोमवार को एक तेल रिफाइनरी में विस्फोट हुआ। इस धमाके के बाद मौके पर हड़कंप मच गया और आसमान में धुएं का भारी गुबार छा गया। प्रशासन ने एहतियात के तौर पर स्थानीय निवासियों को घरों के भीतर ही रहने का आदेश जारी किया है।

राहत बचाव कार्य जारी : यह विस्फोट ह्यूस्टन से लगभग 145 किलोमीटर पूर्व में स्थित पोर्ट आर्थर की वैलेरो रिफाइनरी में हुआ। पोर्ट आर्थर की मेयर चार्लोट एम. मोसेस ने जानकारी दी कि इस घटना में कोई भी घायल नहीं हुआ है सभी सुरक्षित हैं। उन्होंने बताया कि दमकलकर्मी मौके पर पहुंच चुके हैं और जल्द से जल्द आग पर काबू पाने की कोशिश कर रहे हैं। मेयर ने शहर के पश्चिमी हिस्से के लोगों से अपील की है कि वे घरों से बाहर न निकलें।

क्या बोले स्थानीय निवासी : सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो और तस्वीरों में रिफाइनरी से आग की लपटें और काला धुआं निकलता दिखाई दे रहा है। स्थानीय निवासियों के अनुसार, धमाका इतना जोरदार था कि उनके घरों की खिड़कियां तक हिल गईं। प्रशासन ने फेसबुक के जरिए संदेश दिया है कि जब तक आपातकालीन सेवाओं की ओर से खतरा टलने की घोषणा का संकेत न मिल जाए, तब तक लोग सुरक्षित स्थानों पर ही रहें।

लोगों से सतर्क रहने की अपील : टेक्सास के राज्य प्रतिनिधि क्रिश्चियन मैनुअल ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में बताया कि 'टेक्सास कमीशन ऑन एनवायर्नमेंटल क्वालिटी' की टीम वायु निगरानी उपकरणों के साथ रिफाइनरी पहुंच गई है। उन्होंने निवासियों को सलाह दी है कि वे बाहरी गतिविधियों को सीमित करें और अपने घरों के खिड़की-दरवाजे बंद रखें।

वैलेरो की वेबसाइट के अनुसार, इस रिफाइनरी में लगभग 770 कर्मचारी काम करते हैं और इसकी क्षमता प्रतिदिन लगभग 4,35,000 बैरल तेल संसाधित करने की है। यह प्लांट कच्चे तेल से गैसोलीन, डीजल और जेट ईंधन तैयार करता है। गौरतलब है कि यह विस्फोट ऐसे समय में हुआ है जब ईरान युद्ध के कारण वैश्विक तेल आपूर्ति में अनिश्चितता बनी हुई है और गैस की कीमतों में पहले से ही भारी उछाल देखा जा रहा है। फिलहाल वैलेरो कंपनी की ओर से इस घटना पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

अमेरिका की सबसे बड़ी रिफाइनरी में से एक : वालेरो पोर्ट आर्थर रिफाइनरी टेक्स्सा गल्फ कोस्ट से लगभग 90 मील की दूरी पर स्थित है। यहां लगभग 770 कर्मचारी का मकरते हैं। एक दिन में यहां 435000 बैरेल गैसोलीन, डीजल और जेट फ्यूल रिफाइन किया जाता है। जानकारों का कहना है कि इस रिफाइनरी में आग लगने के बाद ऑपरेशन रुक सकता है। इसका असर क्षेत्रीय फ्यूल सप्लाई पर भी पड़ सकता है। एक जानकार ने अनुमान लगाया है कि हीटिंग यूनिट में विस्फोट आग लगने की वजह हो सकती है। बता दें कि ईरान से युद्ध के बीच अफवाह यह भी फैल रही है कि ईरान ने ही यह हमला किया है। हालांकि अगर ईरान की सैन्य क्षमता देखें तो उसकी मिसाइलें अमेरिका तक पहुंचने में सक्षम नहीं हैं।

दक्षिण अफ्रीका ने जीती टी20 सीरीज, पांचवें मैच में न्यूजीलैंड को 33 रन से हराया

हेग्ले ओवल (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका ने हेग्ले ओवल में खेले गए पांचवें टी20 मुकाबले में न्यूजीलैंड को 33 रन से हराकर न सिर्फ मैच जीता है, बल्कि 3-2 से सीरीज अपने नाम कर ली है।

न्यूजीलैंड को इस मैच और सीरीज को जीतने के लिए 188 रन का लक्ष्य मिला था। बड़े लक्ष्य के दबाव और दक्षिण अफ्रीका की कसी हुई गेंदबाजी के सामने न्यूजीलैंड का टॉप ऑर्डर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सका। अच्छी शुरुआत नहीं मिलने की वजह से न्यूजीलैंड कभी भी जीत की तरफ जाती नहीं दिखी और 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 154 रन बना सकी।

कीवी टीम के लिए बेवोन जैकब्स ने 19 गेंदों पर 3 छक्कों और 2 चौकों की मदद से सर्वाधिक 36 रन की पारी खेली। इसके अलावा, टॉम रॉबिनसन ने 25 और डेन क्लिवर ने 22 रन की पारी खेली। कप्तान जिमी निशम ने 24 रन बनाए।

दक्षिण अफ्रीका के लिए गेराल्ड कोएट्ज़ी, ओटनिल बार्टमैन, और वियान मुल्डर ने 2-2, जबकि कप्तान केशव महाराज ने 1 विकेट लिया।

इससे पहले टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। टोनी डे जॉर्जी 12 रन बनाकर पहले विकेट के रूप में 21 के स्कोर पर आउट हुए थे। दूसरे विकेट के लिए वियान मुल्डर और रूबिन हरमन ने 55 रन की साझेदारी कर टीम को मजबूती दी। मुल्डर 29 गेंदों पर 2 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 31 रन बनाकर आउट हुए। तीसरे विकेट के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज कॉनर एस्टरहुइजन ने रूबिन हरमन के साथ 49 रन की साझेदारी की। टीम का स्कोर जब 125 था, हरमन 31 गेंदों पर 39 रन बनाकर आउट हुए।

एस्टरहुइजन और डियान फोरेस्टर ने चौथे विकेट के लिए 27 गेंदों पर 61 रन की तूफानी साझेदारी की। एस्टरहुइजन 33 गेंदों पर 6 छक्कों और 5 चौकों की मदद से 75 रन बनाकर आउट हुए। फोरेस्टर 13 गेंदों पर 21 रन बनाकर नाबाद रहे। दक्षिण अफ्रीका ने 4 विकेट पर 187 रन बनाए थे। दक्षिण अफ्रीका ने न्यूजीलैंड की धरती पर पहली बार टी20 सीरीज जीती है।

मिचेलसन को हराकर मियामी ओपन के क्वार्टरफाइनल में पहुंचे सिनर

मियामी (एजेंसी)। इटली के टेनिस स्टार जैनिक सिनर ने अमेरिका के एलेक्स मिचेलसन को 7-5, 7-6(4) से हराकर मियामी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया है। इस जीत के साथ ही सिनर मियामी ओपन के अपने पहले पांच मुकाबलों में क्वार्टरफाइनल तक पहुंचने वाले तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं। उनसे पहले यह उपलब्धि केवल यानिक नोह और स्टीफन एडबर्ग को हासिल हुई थी। सिनर ने दूसरे सेट में 2-5 से पीछे होने के बाद बेहतरीन वापसी करते हुए मुकाबला अपने नाम किया। जीत के बाद

सिनर ने कहा कि अच्छी सर्विस के कारण ही वह जीत हासिल कर पाये हैं। साथ ही कहा कि खिताबी जीत के लिए अभी उन्हें काफी प्रयास करना होगा। इसके लिए उन्हें खेल का स्तर ऊंचा उठाना होगा। इसके लिए वह ब्रेक के दौरान अभ्यास करेंगे। वहीं एक अन्य मुकाबले में स्पेन के युवा खिलाड़ी मार्टन ने भी बड़ा उलटफेर करते हुए अमेरिकी खिलाड़ी सेबेस्टीयन कोर्डा को 2-6, 7-6(6), 6-4 से हराकर क्वार्टरफाइनल में स्थान बनाया। अब उनका सामना जिरी लेलेका से होगा। से होगा। लेलेका ने टेलर फिट्ज को हराकर बड़ा उलटफेर किया था।

आईपीएल में सबसे अधिक नो बाल हैं बुमराह के नाम

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल के इस सत्र में मुम्बई इंडियंस के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का लक्ष्य नये रिकार्ड बनाना रहेगा। बुमराह ने आईपीएल में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है पर उनकी गेंदबाजी में एक कमी भी रही है और वह ये कि बुमराह आईपीएल में सबसे अधिक नो बाल फेकने वाले गेंदबाज हैं। बुमराह ने अपने करियर में अब तक कुल 32 नो बॉल किये हैं। वहीं बुमराह के अलावा उमेश यादव 24 और ईशांत शर्मा 23भी इस सूची में शामिल हैं।

बुमराह ने आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए साल 2013 में पदर्पण के बाद से ही अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। मुबई के लिए डेब्यू के बाद से ही वह इसी फ्रेंचाइजी के साथ हैं और वह टीम के सबसे मुख्य गेंदबाज बने हैं। इस लीग में अच्छे प्रदर्शन के बाद ही वह सबकी नजरों में आये थे। भारतीय टीम में उनके प्रवेश के पीछे भी आईपीएल में किया प्रभावी प्रदरर्शन रहा है।

आईपीएल करियर की बात करें तो बुमराह ने अबतक कुल 145 मैच खेले हैं। इन मैचों में उन्होंने मुंबई के लिए 22.02 की औसत से कुल 182 विकेट लिए हैं। आईपीएल में बुमराह ने 2 बार 5 विकेट लिए है जबकि 3 बार 4 विकेट लिए हैं। मुम्बई की पांच बार की खिताबी जीत में भी उनके अच्छे प्रदर्शन की अहम भूमिका रही है। केवल एक मामले में उनपर दाग लगा है और वह ये है कि उनके नाम सबसे ज्यादा नो बाल हैं। प्रवीण ने 2008 से 2017 के बीच कुल 119 मुकाबले खेल। इस दौरान उन्?होंने 420.4 ओवर गेंदबाजी करते हुए 14 ओवर मेडन फेंके और 90 विकेट अपने नाम किए।

अमेलिया के अच्छे प्रदर्शन से न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका को हराया

सीरीज 4-1 से जीती

क्राइस्टचर्च (एजेंसी)। अमेलिया केर के ऑलराउंड प्रदर्शन से न्यूजीलैंड की महिला टीम ने यहं खेले गये पांचवें टी-20 मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 92 रनों से हरा दिया। इस मैच में जीत के साथ ही न्यूजीलैंड की टीम ने पांच मैचों की इस सीरीज को 4-1 से जीता। अमेलिया ने इस मैच में 105 रन बनाने के साथ ही दो विकेट भी लिए। इस मैच में अमेलिया के शतक से कीवी टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट पर 194 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले 195 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की टीम निर्धारित 20 ओवरों में नो विकेट पर 102 रन ही बना सकी और 92 रनों से हार गई। दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज इस मैच में कीवी गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पाये। केवल एनरी डकर्सन ही सबसे अधिक 23 रन बनाये। उनके अलावा सुने लूस ने 13 जबकि कायला रेनेके ने 10 रनों रन बनाये। अयाबोंगा खाका ने 12 रन बनाये। वहीं बचे हुए सात बल्लेबाज दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये।

न्यूजीलैंड की ओर से ताहिलिया तहुहू ने तीन विकेट जबकि सोफी डिवाइन और अमेलिया केर ने दो-दो विकेट लिए। वहीं नेंसी पटेल और फ्लोरा डेवनशायर ने एक-एक विकेट लिया। आउट किया। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका की महिला टीम ने टॉस जीतकर कीवी टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। मेजबान टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पहला विकेट शुरुआत में ही 9 रन के स्कोर पर खो दिया पर अमेलिया एक छोर पर टिकी रहीं। वहीं जॉर्जिया प्लिमर ने 27 जबकि ब्रूक हैलिडे ने 26 रन बनाये। वहीं दक्षिण अफ्रीका की ओर से अयाबोंगा खाका और टुमी सेखुखुने ने तीन-तीन खिलाड़ियों को आउट किया।

कोको गाफ मियामी ओपन के सेमीफाइनल में पहुंची

फ्लोरिडा । अमेरिका की महिला टेनिस खिलाड़ी कोको गाफ मियामी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच गयी हैं। गाफ ने क्वार्टर फाइनल में स्विटजरलैंड की मेलिंडा बेनसिस को हराया। गॉफ ने इस मुकाबले के बीच में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए जीत दर्ज की। मैच में गाफ ने पहला सेट 6-3 से जीता पर दूसरे सेट में उसे 1-6 से हार का सामना करना पड़ा। वहीं तीसरे सेट में गाफ ने खराब शुरुआत से उबरते हुए जबरदस्त वापसी करते हुए मुकाबला 6-3, 1-6, 6-3 से अपने नाम किया । जीत के बाद गाफ ने कहा, यह एक कठिन मैच था। बेलिंडा काफी अच्छी खिलाड़ी हैं। इस मैच में जीत के लिए मुझे काफी संघर्ष करना पड़ा। अब सेमीफाइनल में गाफ का सामन चेक गणराज्य की केरोलिन मुचोवा से होगा। यह मुकाबला काफी रोमांचक होने की उम्मीद है।

आईपीएल में वापसी को तैयार हैं तेज गेंदबाज मयंक

लखनऊ (एजेंसी)। पिछले काफी समय से फिट नहीं होने के कारण खेल से दूर रहे लखनऊ सुपर जायंट्स के तेज गेंदबाज मयंक यादव आईपीएल के इस सत्र में बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार हैं। मयंक ने कहा कि पहले वह अपने शरीर पर ज्यादा ध्यान नहीं देते थे पर अब वह करियर को बचाने के लिए काफी सजग हैं। मयंक को कई बार चोट के कारण खेल से दूर होना पड़ा है। आईपीएल 2024 में चोट लगने से उन्हें बड़ा झटका लगा था। इसके बाद वह लगातार चोट से परेशान रहे और आईपीएल 2025 के शुरुआती मैचों के बाद बाहर हो गए।

अब वह बेंगलुरु के 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' में रिहैबिलिटेशन पूरा करके आईपीएल में वापसी को तैयार हैं। मयंक ने कहा, 'सर्जरी के बाद मेरे लिए सब कुछ बदल गया। पहले मैं अपना ध्यान नहीं रखता था। रिकवरी सत्र से बचता था और कई चीजों को नजरअंदाज करता था पर अब मैं रिकवरी, पोषण और नींद पर पूरा ध्यान देता हूं। जितना मैं अपने शरीर का सम्मान कर रहा हूं, उतना ही मेरा शरीर भी मैदान पर मेरा साथ दे रहा है।' मयंक ने कहा कि एनसीए में उनकी मुलाकात जसप्रीत बुमराह से हुई, जिन्होंने भी ऐसी ही सर्जरी कराई थी। उनके साथ मेरा अच्छा तालमेल है। उन्होंने इसको लेकर मुझे काफी सुझाव दिये जिनका मैं अब पालन कर रहा हूं। तब उन्होंने कहा था कि सर्जरी के बाद वापसी करने पर किन चीजों पर ध्यान देना चाहिए। इस बारे में उनके अनुभवों से मुझे सहायता मिली है। उन्होंने बताया कि रिकवरी के दौरान शरीर कैसा महसूस करेगा और इस कठिन समय का सामना कैसे करना है। मयंक का अब तक का करियर चोटों से प्रभावित रहा है। साल 2022 में आईपीएल में प्रवेश के दौरान लखनऊ सुपर जायंट्स ने उन्हें 20 लाख के बेस प्राइस पर खरीदा था। दो सीजन बाद 2024 में उन्हें डेब्यू का अवसर मिला। इस गेंदबाज ने अपने डेब्यू मैच में ही 150 किमी की गति से गेंदबाजी कर सभी को हैरान कर दिया। उन्होंने सत्र की सबसे तेज गेंद गेंद 156.7 किमी प्रति घंटे रफ्तार से फेंकी।

वैभव के पास अच्छा बल्लेबाजी कौशल : जितेश

मुम्बई । विकेटकीपर बल्लेबाज जीतेश शर्मा ने उभरते हुए युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की जमकर प्रशंसा की है। जितेश के अनुसार वैभव एक ऐसे बल्लेबाज हैं जो हमेशा आक्रामक बल्लेबाजी पसंद करते हैं। उनके पास अच्छा कौशल है और वह आने वाले समय में विश्व क्रिकेट में छा सकते हैं। वैभव ने केवल 15 साल की उम्र में ही काफी कुछ हासिल कर लिया है। पहले आईपीएल में ही उन्होंने 35 गेंदों में शतक लगाकर सबको हैरान कर दिया था। इसके बाद उन्होंने ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड में भी शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने अंडर-19 विश्व कप में भी शानदार प्रदर्शन किया और फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ 175 रन की मैच जिताऊ पारी खेली। इसके बाद भी इस बार आईपीएल में उनकी राह आसान नहीं रहेगी। इस बार उनकी कड़ी परीक्षा होगी। पिछले सीजन में शानदार प्रदर्शन के बाद अब सभी टीमों के गेंदबाज उनकी बल्लेबाजी का आंकलन कर उनाक कमजोर पक्ष निकालने का प्रयास कर रहे हैं और उन सभी का लक्ष्य उस क्षेत्र में गेंदबाजी करना रहेगा जिसमें वह कमजोर हैं। इस बार टीम में संजू सैमसन के नहीं होने से भी वैभव को बड़ी जिम्मेदारी निभानी होगी। ये भी हो सकता है कि उन्हें यशस्वी जायसवाल के साथ पारी शुरु करने का अवसर मिल सकता है। वहीं दक्षिण अफ्रीक के पूर्व कप्तान ए बी डिविलियर्स ने कहा कि वह एक शानदार खिलाड़ी हैं। उन्होंने वैभव को अंडर-19 में बल्लेबाजी करते हुए देखा है। डिविलियर्स ने कहा, जब आपको आईपीएल और बड़ी क्रिकेट लीग का अनुभव मिलता है और आप फिर भी उसी स्तर का प्रदर्शन करते हैं, तो यह आसान नहीं होता। उन्होंने जिस तरह से अंडर-19 विश्व कप में खेला, उससे मैं बहुत प्रभावित हुआ। मैं उनके खेलने के तरीके की बात कर रहा हूं। उन्होंने अपने गेम प्लान पर कायम रहते हुए खेला। जैसे उन्होने आईपीएल में खेला, वैसे ही वहां भी खेला।

हॉकी इंडिया सालाना पुरस्कारों में दोहरे नामांकन से खुद पर भरोसा मजबूत हुआ : गोलकीपर प्रिंस दीप

नई दिल्ली (एजेंसी)। अभी तक सीनियर टीम में पदार्पण नहीं करने के बावजूद हॉकी इंडिया सालाना पुरस्कारों में दो नामांकन पाने वाले युवा गोलकीपर प्रिंस दीप सिंह ने कहा कि इससे उनका खुद पर भरोसा मजबूत हुआ है। सीनियर पुरूष राष्ट्रीय शिविर में अभ्यास कर रहे 21 वर्ष के प्रिंस दीप को हॉकी इंडिया बलजीत सिंह वर्ष 2025 के सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर और हॉकी इंडिया जुगराज सिंह वर्ष 2025 के सर्वश्रेष्ठ उदीयमान खिलाड़ी के पुरस्कार के लिये नामांकन मिला है। ये पुरस्कार शुक्रवार को यहां दिये जाएंगे।

प्रिंस दीप ने कहा, 'मैं बहुत खुश हूं और गर्व महसूस कर रहा है। ऐसे पुरस्कारों के लिये नामांकन पाने में समय लगता है लेकिन मुझे जल्दी मिल गया। टूर्नामेंटों में अच्छे प्रदर्शन और शीर्ष गोलकीपरों के साथ अपना नाम देखकर काफी प्रेरणा मिल रही है।' उन्होंने कहा, 'भारत के पास बेहतरीन गोलकीपर हैं। उनके बीच नामांकन पाना और वह भी सीनियर टीम में पदार्पण से पहले, खास है। इससे मुझे आत्मविश्वास मिला है कि मैं सही रास्ते पर हूं।'

उन्होंने कहा, 'यह इस सम्मान से मिला सबसे बड़ा तोहफा है। इससे खुद पर संशय नहीं रह गया और आगे अच्छा करने की प्रेरणा मिली है। अब मुझे पता है कि मैं सही राह पर हूं और लगातार सुधार करता रहूंगा।' प्रिंस दीप 2024 FIH जूनियर एशिया कप में स्वर्ण, जोहोर कप 2025 में रजत और पिछले साल चेन्नई में FIH जूनियर विश्व कप में कांस्य पदक जीत चुके हैं।

पठानकोट के रहने वाले प्रिंस दीप ने शुरूआत फुल बैक के रूप में बटाला की चीमा हॉकी अकादमी में की थी। उन्होंने बताया, 'मैं फुटबॉल में गोलकीपर के रूप में खेलता था और कुछ अच्छे गोल बचाए। मेरे कोचों ने मेरा कद देखकर हॉकी में गोलकीपिंग का सुझाव दिया। वहीं से शुरूआत हुई।'

शाकिब अल हसन की लंबे समय के लिए वापसी चाहते हैं बशर

ढ़ाका । बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के नये चयन पैनल के चेयरमैन हबीबुल बशर के आने के बाद टीम में ऑलराउंडर शाकिब अल हसन की वापसी की उम्मीदें जतायी जा रही हैं। बशर ने साफ किया कि वह न्यूजीलैंड सीरीज ही नहीं लंबे समय तक शाकिब को टीम में शामिल करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि फोकस शाकिब अभी देश में नहीं है। इसलिए ये नहीं कहा जा सकता कि वह न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के लिए टीम में रहेंगे या नहीं। साथ ही कहा कि वह ऐसा खिलाड़ी है जो स्वयं भी खेलना चाहेगा पर उसे भी तैयारी की जरूरत है। साथ ही कहा, मुझे नहीं लगता कि शाकिब एक सीरीज के लिए आएंगे और फिर चले जाएंगे। अगर हमें उनकी सेवाएं मिल सकती हैं तो हम चाहेंगे कि वह लंबे समय तक अपनी सेवा द दें। मुझे लगता है कि वह अभी दो साल खेल सकते हैं। उन्होंने साथ ही कहा, कई लोग रिटायरमेंट की बात करते हैं, जैसे, हमने मुशफिकुर रहीम के संन्यास की बातें देखी हैं। मैंने कहा है कि वे जितना ज्यादा समय तक खेलेंगे, हमारे लिए उतना ही अच्छा होगा। हम उन्हें जितना ज्यादा टीम में शामिल कर सकते हैं, टीम के लिए उतना ही अच्छा होगा और जब हम उन्हें चुनते हैं, तो ऐसा नहीं होता कि वे आकर रिटायर हो जाएं। मैं उन्हें लंबे समय के लिए चाहता हूं, कम से कम उनके पास ऐसा प्लान हो कि वे 2027 विश्व कप खेल सकें। इसलिए मेरी योजना केवल एक सीरीज के लिए नहीं हैं। बशर ने कहा है कि उनका पहला ध्यान इस बात पर है कि बांग्लादेश की टीम एकदिवसीय विश्वकप के लिए सीधे क्वालीफाई करे। विश्वकप अगले साल दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेला जाना है।

लिवरपूल को झटका, सालाह सीजन के आखिर में छोड़ देंगे टीम

लंदन - मोहम्मद सालाह ने मंगलवार को घोषणा की कि वह सीजन के आखिर में लिवरपूल एफसी छोड़ देंगे, जिससे एनफील्ड में उनका शानदार समय खत्म हो जाएगा। 33 साल के इस खिलाड़ी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में इस खबर को कन्फर्म करते हुए कहा, 'बदकिस्मती से वह दिन आ गया है। यह मेरे फेयरवेल का पहला हिस्सा है,' और फिर कहा, 'मैं सीजन के आखिर में लिवरपूल छोड़ दूंगा।' सालाह ने अप्रैल 2025 में क्लब के साथ दो साल का नया कॉन्ट्रैक्ट साइन किया था, लिवरपूल ने कहा कि दोनों पार्टियों ने उनके भविष्य को लेकर 'एक एग्रीमेंट' कर लिया है जिससे वह फ्री ट्रांसफर पर जा सकते हैं। उनके अपने ऊंचे स्टैंडर्ड के हिसाब से, पिच पर यह एक मुश्किल कैंपेन रहा है। सालाह ने सभी कॉम्पिटिशन में 34 मैचों में 10 गोल किए हैं, जिससे 2017 में क्लब जॉइन करने के बाद से उनका सीज़न का सबसे कम गोल हो गया है। ऑफ-फील्ड दिक्कतों ने भी इसमें भूमिका निभाई है। दिसंबर में लीड्स के साथ 3-3 के ड्रॉ के बाद सालाह ने कहा कि क्लब ने उन्हें 'बस के नीचे फेंक दिया' था और बताया कि हेड कोच आर्ने स्लॉट के साथ उनका रिश्ता टूट गया था। हालांकि जनवरी में उनके बाहर होने की अटकलें थीं, लेकिन अफ्रीका कप ऑफ नेशंस में शामिल होने के बाद वह टीम में वापस आ गए। यह अभी साफ नहीं है कि सालाह अगले सीजन में कहां खेलेंगे। लिवरपूल ने कहा कि उन्होंने सपोटर्स के लिए 'सम्मान और आभार' दिखाने और अपने भविष्य के बारे में साफ जानकारी देने के लिए यह घोषणा जल्दी करने का फैसला किया।

नेपाल में जन्मे डिफेंडर भारती हांगकांग के खिलाफ एशियाई कप क्वालीफायर से पहले भारतीय शिविर में

नई दिल्ली - नेपाल में जन्मे डिफेंडर अबनीत भारती हांगकांग के खिलाफ एएफसी एशियाई कप क्वालीफायर से पहले भारतीय सीनियर पुरूष टीम के कोच्चि में चल रहे शिविर में जुड़ गए हैं। इससे एक दिन पहले इसी मुकाबले के लिए ऑस्ट्रेलिया में जन्मे रियान विलियम्स को टीम में शामिल किया गया था। अब भारत के शिविर में पहली बार दो विदेश में जन्मे खिलाड़ी हैं जिन्हें हाल ही में भारतीय पासपोर्ट मिला है। विलियम्स बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबला नहीं खेल सके थे क्योंकि फीफा से उन्हें मंजूरी देर से मिली। अब वह हांगकांग के खिलाफ 31 मार्च को भारत के लिए पदार्पण करेंगे। भारत 2027 में सउदी अरब में होने वाले एएफसी एशियाई कप की दौड़ से पहले ही बाहर हो चुका है। अनुभवी डिफेंडर संदेश झिंगन अपने कैरियर के आखिरी पड़ाव पर हैं, ऐसे में टीम को अनवर अली के साथ भरोसेमंद सेंटर बैक की जरूरत है जो भारती हो सकते हैं। भारती अभी फीफा से मंजूरी मिलने का इंतजार कर रहे हैं। नेपाल में जन्मे भारती ने नाइजीरिया में स्कूली दिनों में गोलकीपर के रूप में शुरूआत की थी। भारत आने के बाद उन्होंने डिफेंडर के तौर पर खेलना शुरू किया और बीजीएस इंटरनेशनल स्कूल तथा शास्त्री एफसी के लिए खेले। सिंगापुर में गेलांग इंटरनेशनल के साथ अभ्यास करने के बाद वह स्पेन में रीयाल वाल्लाडोलिड अकादमी से जुड़े। उन्होंने जर्मनी में भी चयन ट्रायल दिए थे। वह 2019 में केरला ब्लास्टर्स के साथ जुड़े लेकिन करार नहीं हो पाया। इसके बाद से वह चेक गणराज्य में और उधार पर किर्गीस्तान, पनामा, अर्जेंटीना और अब बोलिविया में खेलते रहे हैं।

आईपीएल में प्रशांत वीर सहित इन उभरते हुए खिलाड़ियों पर रहेंगी नजरें

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में इस बार प्रशांत किशोर सहित पांच उभरते हुए खिलाड़ियों को खेलने का अवसर मिलेगा। ऐसे में ये सभी खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन कर अपने को साबित करने के इरादे से उतरेंगे। आईपीएल एक ऐसा मंच है जिसपर उभरती प्रतिभाओं को अवसर मिलता रहा है और ये ही इस बार भी हो रहा है।

प्रशांत वीर : चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने प्रशांत को 14.2 करोड़ रुपये की मोटी रकम में खरीदकर सबको हैरान कर दिया था। प्रशांत निचले क्रम में आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं। इसके साथ ही वह बाएं के एक अच्छे स्पिनर हैं। जिसकी घूमती हुइ गेंदों का सामना करना बल्लेबाजों के लिए आसान नहीं होता। प्रशांत को ऑलराउडर रविन्द्र जडेजा की कमी करने शामिल किया गया है। ऐमें सभी की नजरें उनपर रहेंगी। यूपी टी20 लीग 2025 में प्रशांत ने 155 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 320 रन बनाए थे, जबकि 6.69 की इकोनॉमी से गेंदबाजी करते हुए 8 विकेट भी निकाले थे।

कार्तिक शर्मा: कार्तिक को चेन्नई सुपर किंग्स ने नीलामी में 14.2 करोड़ की मोटी रकम लगाकर खरीदा है। कार्तिक विकेटकीपर-बल्लेबाज हैं और अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के कारण सभी की नजरों में आये। लंबे-लंबे छक्के लगाना कार्तिक की खूबी है।

आकिब नबी डार: तेज गेंदबाज आकिब नबी की शानदार गेंदबाजी से जम्मूकश्मीर पहली बार रणजी ट्रॉफी जीतने में सफल रही। आकिब इस सत्र में दिल्ली कैपिटल्स की ओर से खेलते नजर आयें। अब देखना है कि वह इमसें कितना प्रभावित करते हैं।

मुकुल चौधरी: विकेटकीपर-बल्लेबाज मुकुल चौधरी लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से उतरेंगे। मुकुल राजस्थान की तरफ से घरेलू क्रिकेट खेलते हैं और अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं। इस घरेलू सीजन में उन्होंने 5 पारियों में 200 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 173 रन बनाए थे। वह अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के कारण मैच विजेता माने जाते हैं।

अशोक शर्मा: अशोक शर्मा ने सैयद मुश्ताक अली में 150 की रफ्तार से गेंदबाजी करते हुए सभी का ध्यान खींचा था। इस टूर्नामेंट में अशोक ने 10 मुकाबलों में कुल 22 विकेट लिए थे। अब वह लीग में गुजरात टाइटंस की ओर से नजर आएंगे। अशोक को अगर मौका मिला, तो वह जरूर इस टूर्नामेंट में अपनी छाप छोड़ना चाहेंगे।

'धुरंधर 2 में' परवीर कौर ने कम स्क्रीन टाइम के बावजूद जीता सबका दिल

'धुरंधर 2' में एक छोटा सा सीन आता है, जहां जसकीरत सिंह रंगी और उनकी छोटी बहन जसलीन से मिलता है। वो सीन काफी इमोशनल होता है। आइए उस एक्ट्रेस के बारे में जानते हैं, जिन्होंने ये किरदार निभाया।

परवीर कौर पंधेर फिल्म में जसलीन कौर रंगी का किरदार निभाती हैं। परवीर पंजाबी सिनेमा की उभरती हुई एक्ट्रेस और सिंगर हैं और इस फिल्म के साथ उनका बॉलीवुड में डेब्यू था। पंजाब की रहने वाली परवीर कौर पंधेर ने पंजाबी म्यूजिक वीडियोज, गानों और फिल्मों के जरिए मजबूत फैनबेस बनाया है। इंस्टाग्राम पर उनके 8.5 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हैं, जहां वह अपने सिंगर से एक्टर बनने के सफर को शेयर करती रहती हैं। भले ही परवीर कौर पंधेर का स्क्रीन टाइम कम था, लेकिन जसकीरत सिंह रंगी और जसलीन के सीन ने सबके दिलों में जगह बना ली। 'धुरंधर 2' में जसकीरत सिंह रंगी की छोटी बहन जसलीन सिंह किडनैप हो जाती है, जिसे बचाने के लिए जसकीरत एक विधायक के घर में घुसकर अपने पिता और बड़ी बहन की मौत का बदला लेने के लिए 12 लोगों को मार देता है। इसके बाद जसकीरत को उसकी बहन जसलीन एक झोपड़ी में काफी बुरी हालत में मिलती है। इसके बाद भाई-बहन के मिलने वाला इमोशनल सीन, सबके दिल में जगह बना लेता है। इसे 'धुरंधर : द रिवेंज' का सबसे इमोशनल सीन भी कहा जा रहा है।

फिल्म का हिस्सा बनकर खुश हूं

हाल ही में परवीर कौर पंधेर ने इंस्टाग्राम पर अपने सीन से जुड़ी पोस्ट शेयर की और अपने अनुभव को शेयर किया। उन्होंने लिखा, 'इस सीन को परफॉर्म करके मुझे सच में अपने आप पर बहुत गर्व महसूस हुआ। खुद को पहचानना मुश्किल था, थोड़ा डर भी लग रहा था। लेकिन वाहीगुरु हमेशा मेरा साथ देता रहा, और इस फिल्म का हिस्सा बनकर मैं बहुत खुश हूं।'

'भूत बंगला' में वामिका गब्बी ने अपने एक्शन सीन खुद किए हैं

फिल्म 'भूत बंगला' को लेकर वामिका गब्बी काफी उत्साहित हैं। इस फिल्म में वह बिल्कुल ही अलग अंदाज में दर्शकों से रूबरू होंगी। हाल ही में फिल्म से जुड़ी एक अपडेट सामने आई, जिससे पता चलता है कि एक्ट्रेस खिलाड़ी कुमार यानी अक्षय कुमार से काफी इंस्पायर है। वह उनके नक्शे-कदमों पर चल रही हैं।

अक्षय कुमार के साथ बिठाया तालमेल सूत्रों के अनुसार फिल्म 'भूत बंगला' में वामिका गब्बी ने अपने एक्शन सीन खुद किए हैं। एक्ट्रेस ने एक ट्रेन सीक्वेंस शूट किया, जिसमें वह ट्रेन के किनारे पर खड़ी थीं। इस सीन के लिए अक्षय कुमार के साथ एकदम सही तालमेल और टाइमिंग की जरूरत थी। वामिका ने अक्षय कुमार का पूरा साथ दिया।

पिछले दिनों फिल्म 'भूत बंगला' का टीजर रिलीज हुआ। इसमें अक्षय कुमार जहां अपनी कॉमेडी से हंसाते हैं। वहीं डरावना माहौल भी टीजर में दिखता है। अक्षय कुमार का लुक भी टीजर में काफी अलग नजर आया है। कहानी के अलावा बाकी कलाकारों की भी झलक भी टीजर में दिखती है, इसमें वामिका भी नजर आईं। टीजर से ही हिंट मिला है कि इसमें एक रहस्मयी जीव है जो सबको डराता है।

कब रिलीज होगी फिल्म?

फिल्म 'भूत बंगला' में अक्षय कुमार, वामिका गब्बी के अलावा परेश रावल, तब्बू और राजपाल यादव भी हैं। यह फिल्म 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में असरानी की भी झलक मिलेगी। पिछले साल इस दिग्गज अभिनेता ने दुनिया को अलविदा कह दिया था।

अभिनेता और निर्देशक के बाद निर्माता बने कुणाल खेमू

कुणाल खेमू ने बॉलीवुड में बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट शुरुआत की, फिर लीड एक्टर के तौर पर काम किया। पिछले साल निर्देशक के तौर पर पहली फिल्म बनाई। अब वह अपना प्रोडक्शन हाउस शुरू कर रहे हैं। कुणाल का मकसद अलग किस्म की फिल्में बनाने का है।

सोशल मीडिया पर कुणाल खेमू ने यह जानकारी साझा की है कि वह प्रोडक्शन हाउस शुरू कर रहे हैं। इस प्रोडक्शन हाउस को उन्होंने चिराग निहलानी के साथ शुरू किया है। पिछले साल कुणाल ने मडगांव एक्सप्रेस को निर्देशित किया था, यह उनके डायरेक्शन में बनी पहली फिल्म थी। इस फिल्म को दर्शकों ने सराहा था।

कैसी फिल्में बनाएंगे कुणाल खेमू?

अपने प्रोडक्शन हाउस तले कुणाल और चिराग ऐसी कहानियों को सपोर्ट करना चाहते हैं जो मनोरंजक हो, दिलचस्प और दमदार हों। वह ऐसी फिल्में बनाना चाहते हैं, जो क्रिएटिविटी, एटरटेनमेंट का बैलेंस बनाकर चलें। कुणाल खेमू भले ही निर्माता बन गए हों लेकिन वह दूसरे प्रोडक्शन हाउस की फिल्मों में अभिनय कर रहे हैं। इस साल वह फिल्म 'गोलमाल 5' में नजर आएंगे। इस फिल्म को रोहित शेट्टी निर्देशित कर रहे हैं। इस फिल्म में अजय देवगन, अक्षय कुमार, अरशद वारसी के अलावा कई उम्दा कलाकार भी नजर आएंगे।

आउटसाइडर्स को मौका देंगी आलिया

आलिया भट्ट ने हाल ही में अपने नए प्रोडक्शन प्रोजेक्ट 'डोंट बी शाय' को लेकर बड़ा खुलासा किया। उन्होंने बताया कि वह इस फिल्म के जरिए इंडस्ट्री के 'आउटसाइडर्स' यानी नए चेहरों को मौका देने जा रही हैं। यह बात आलिया ने करण जोहर के साथ अमेजन प्राइम के इवेंट के दौरान शेयर की, जहां दोनों के बीच मजेदार बातचीत भी देखने को मिली। करण ने मजाक करते हुए कहा कि आलिया अब एक समझदार प्रोड्यूसर बन चुकी हैं, वहीं आलिया ने जवाब दिया कि उन्होंने 'बेस्ट से सीखा है' कि नए एक्टर्स को कैसे लॉन्च किया जाता है।

'डोंट बी शाय' एक आने वाली फिल्म है, जो एक 20 साल की लड़की की कहानी पर आधारित है, जिसकी परफेक्ट लाइफ अचानक बदल जाती है। इस फिल्म को आलिया अपनी बहन शाहीन भट्ट के साथ मिलकर प्रोड्यूस कर रही हैं। कुल मिलाकर, आलिया अब सिर्फ एक एक्ट्रेस ही नहीं, बल्कि नए टैलेंट को आगे लाने वाली प्रोड्यूसर के रूप में भी अपनी अलग पहचान बना रही हैं।

विजय सेतुपति की 'महाराजा' का सीक्वल बनेगा

विजय सेतुपति की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'महाराजा' का सीक्वल बनने जा रहा है। खुद विजय सेतुपति ने कन्फर्म किया है कि फिल्म के डायरेक्टर निथिलन समिनाथन ने दूसरे पार्ट की कहानी पूरी कर ली है। विजय ने कहा कि वे इस फिल्म की कहानी सुनने के लिए बहुत एक्साइटेड हैं। 2024 में रिलीज हुई फिल्म महाराजा ने बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ कमाई की थी और अब इसके दूसरे पार्ट की तैयारी शुरू हो गई है।

डायरेक्टर निथिलन ने तैयार की स्क्रिप्ट

हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में विजय सेतुपति ने फिल्म के फ्यूचर प्लान पर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि 'महाराजा 2' की कहानी पर काम पूरा हो चुका है। विजय ने कहा, निर्देशक निथिलन समिनाथन ने महाराजा 2 की कहानी पूरी कर ली है। मैं इसे जल्द ही सुनने के लिए बहुत एक्साइटेड हूं। हालांकि, एक्टर ने अभी यह साफ नहीं किया है कि फिल्म फ्लोर पर कब जाएगी।

2024 की सफल फिल्मों में से एक 'महाराजा'

बता दें कि जून 2024 में रिलीज हुई 'महाराजा' विजय सेतुपति के करियर की 50वीं फिल्म थी। इस फिल्म में विजय ने एक ऐसे साधारण नाई का किरदार निभाया था, जिसकी जिंदगी में एक हादसा सब कुछ बदल देता है। फिल्म की सस्पेंस भरी कहानी और विजय सेतुपति की एक्टिंग ने दर्शकों का दिल जीत लिया था। 20 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म ने वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपए से ज्यादा का कलेक्शन किया था।

सीक्वल में क्या हो सकता है खास?

'महाराजा' के पहले पार्ट का क्लाइमेक्स और उसकी कहानी की बुनावट फिल्म की सबसे बड़ी ताकत थी। फिल्म में अनुराग कश्यप ने विलेन का रोल निभाया था। अब सीक्वल की खबर आने के बाद सोशल मीडिया पर चर्चा शुरू हो गई है कि क्या कहानी वहीं से आगे बढ़ेगी या विजय सेतुपति किसी नए सस्पेंस के साथ पर्दे पर लौटेंगे।

कोई मुझे किसी चीज के लिए रोकता है तो पसंद नहीं

दिव्या दत्ता आज किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं। पंजाबी फिल्मों से लेकर बॉलीवुड और अब ओटीटी तक की दुनिया में वह धूम मचा रही हैं। साल 1994 में एक्टिंग डेब्यू करने के बाद दिव्या दत्ता ने अपने 32 साल लंबे करियर में कई तरह के किरदार निभाए और अपनी पहचान पुख्ता की। 2017 में आई 'इरादा' के लिए नेशनल अवॉर्ड जीत चुकीं दिव्या दत्ता इस वक्त अपनी नई सीरीज 'चिरैया' को लेकर चर्चा में हैं, जो रिलीज हो चुकी है। मैरिटल रेप जैसे संवेदनशील मुद्दे पर आधारित सीरीज 'चिरैया' के साथ-साथ दिव्या दत्ता ने इंटरव्यू में सिस्टरहुड, शादी रूपी संस्था पर बात की। इसके अलावा उन्होंने औरतों को एम्पावर करने की अहमियत, औरतों के बीच इन्सिक्योरिटी, अपनी शादी और पितृसत्तात्मक सोच को लेकर बात की।

आपकी सीरीज में एक जेठानी अपनी देवरानी के लिए खड़ी होती है, जो देखना काफी सुखद है। औरतों का एक-दूसरे को एम्पावर करना, सपोर्ट करना आप कितना जरूरी मानती है?

बहुत जरूरी है क्योंकि हमारे समाज में बहुत सी औरतें अपने लिए बोल नहीं पातीं। ऐसे में, कोई अपना नजरिया साइड में रखकर आपको सुने, एक-दूसरे को थामे तो हमारे समाज के लिए बहुत खूबसूरत बात होगी। मेरे भाई ने एक कविता लिखी थी- 'तुमने कहा था कि हम एक ही हैं तो अपने बराबर कर दो।' उसने लड़का होकर महिलाओं पर लिखी थी, जो बहुत पसंद की गई, बहुत वायरल हुई और मैं सोचती थी कि यह कविता इतनी क्यों हिट हुई? फिर मुझे अहसास हुआ कि बहुत सी महिलाएं बोल ही नहीं पातीं कि अपने बराबर कर दो ना। इस कविता के जरिए उन्हें लगा कि किसी ने तो उनके मन की बात बोली जो वो खुद नहीं बोल पातीं। इसी तरह इस शो में एक महिला दूसरी के लिए खड़ी हुई, वो भी उस रिश्ते में जो खून का नहीं है। वो मां बेटी नहीं, देवरानी जेठानी हैं, जिनके बीच मुकाबले, इनसिक्योरिटी की ही चर्चा होती है तो ये कितनी प्यारी बात है।

निजी जिंदगी में ऐसी कोई पितृसत्तात्मक सोच रही, जिसके खिलाफ विद्रोह करने का मन किया? या आपने उसे तोड़ा हो?

मेरी मां सिंगल मदर थीं। मैंने अपने पिता जी को बहुत कम उम्र में खो दिया था। उन्होंने अकेले ही मुझे पाला और हमें अपने फैसले खुद लेने की आजादी दी। उन्होंने मुझे बताया था कि उन्हें कहा गया था कि तुम्हें डॉक्टर ही बनना है तो वो डॉक्टर बन गईं। वो बहुत अच्छा लिखती थीं और बाद में भी लिखती रहीं। लेकिन उन्हें वो चुनने की आजादी नहीं मिली, तो उन्होंने मुझसे कहा कि अगर तुम एक्टर बनना चाहती हो तो बनो। मैं कल को ये नहीं सुनना चाहती कि तुम कहो कि मैं ये करना चाहती थी पर मेरी मां ने नहीं करने दिया। वो आजादी मेरे पास रही और इस सोच के साथ मैं बड़ी हुई हूं। ऐसे में, अगर कोई मुझे किसी चीज के लिए रोकता है, ऐसा अब भी होता है कि नहीं, नहीं ऐसे नहीं करो, तो मुझे पसंद नहीं और जहां मुझे लगता है कि बोलना चाहिए तो मैं बोल देती हूं।

'चिरैया' मैरिटल रेप जैसे संवेदनशील मुद्दे पर आधारित है। इस पर आपकी निजी राय क्या है?

असल में यह एक महिला की कहानी है, जिसकी जिंदगी में सब कुछ खूबसूरत चल रहा है। हालांकि, उसे जो सही या नॉर्मल लगता है, वो असल में है नहीं, मगर ये फैसला कौन करेगा कि क्या सही है, क्या गलत, क्योंकि हमारे यहां बहुत से लोगों को सही-गलत मालूम ही नहीं होता। एक ढर्रा चलता जाता है। हालांकि, हम कोई आंदोलन नहीं कर रहे हैं, पर यह कहानी इतनी रिलेटेबल है कि आपको लगेगा कि इसके बारे में लोगों का जागरूक करना चाहिए, क्योंकि बहुत से लोगों को पता ही नहीं है कि ऐसा हो रहा है।

शादी रूपी संस्था के बारे में आपकी क्या राय है? सलमान खान समेत बहुत से लोग अब इसे प्रासंगिक ही नहीं मानते ! आपने खुद शादी की अनिवार्यता की धारणा तोड़ी है !

मुझे समझ नहीं आता कि इसे इतना बड़ा मुद्दा क्यों बनाया जाता है? हर कोई मुझसे शादी को लेकर पूछता है। मुझे लगता है कि मुझे इसका जवाब ही नहीं देना है। इसमें धारणा तोड़ने जैसी बात ही नहीं है। यह मेरी जिंदगी है। मैं जैसा चाहूंगी वैसा करूंगी। उस पर बात करना उसे जस्टिफाई करना मुझे जरूरी नहीं लगता। बाकी रही दूसरों की सोच की बात, तो हर किसी का अपना नजरिया है। बहुत से लोग शादी करना चाहते हैं, कई नहीं करना चाहते। दोनों में से कोई भी गलत नहीं है। दोनों का अपना नजरिया है और हमें दोनों का सम्मान करना चाहिए।

सांसद उमेश पटेल ने दमण एवं दीव में जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र की समस्याओं के समाधान को लेकर भारत के महापंजीयक के साथ की महत्वपूर्ण बैठक

■ सांसद उमेश पटेल ने दमण एवं दीव में ग्राम पंचायतों के पुनर्गठन के बाद उत्पन्न तकनीकी एवं प्रशासनिक समस्याओं की ओर कराया ध्यानाकर्षणः सिस्टम में डेटा उपलब्ध होने के बावजूद वेरीफिकेशन हो रहा असफल ■ अधिकारियों ने इस विषय पर तत्काल कार्यवाही शुरु करने का दिलाया भरोसाः बर्थ और डेथ नाम करेक्शन के लंबित मामलों का 1 महीने के भीतर निपटारा किया जाएगा

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली 25 मार्च। दमण-दीव के सांसद उमेश पटेल ने दमण एवं दीव में जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र की समस्याओं के समाधान को लेकर आज नई दिल्ली स्थित गृह मंत्रालय के कार्यालय में भारत के महापंजीयक के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। इस दौरान सांसद उमेश पटेल ने दमण एवं दीव में जन्म एवं मृत्यु प्रमाण-पत्रों से जुडी गंभीर समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। बैठक के दौरान सांसद उमेश पटेल ने दमण और दीव क्षेत्र में ग्राम पंचायतों के पुनर्गठन-विशेष रूप से पंचायतों के पृथक्करण के बाद उत्पन्न तकनीकी एवं प्रशासनिक समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने बताया कि पुराने रिकॉर्ड नई पंचायत सीमाओं से मेल नहीं खाने के कारण डिजिटल पोर्टल पर Address mismatch (पते का मेल न खाना) जैसी त्रुटियां आ रही हैं, जिससे हजारों नागरिक अपने जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त करने में असमर्थ हैं। सांसद ने यह भी अवगत कराया कि सिस्टम में डेटा उपलब्ध होने के बावजूद वेरीफिकेशन असफल हो रहा है। छोटे-छोटे सुधारों के लिए नागरिकों को दिल्ली तक निर्भर रहना पड रहा है। हजारों आवेदन लंबित हैं, जिससे आम जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस पर अधिकारियों ने आश्वस्त किया कि इस विषय पर तत्काल कार्यवाही शुरू की जाएगी। साथ ही अधिकारियों द्वारा आश्वासन दिया गया है कि बर्थ और डेथ नाम करेक्शन के लंबित मामलों का 1 महीने के भीतर निपटारा किया जाएगा, तकनीकी समस्याओं के समाधान हेतु आवश्यक सुधार किए जाएंगे, स्थानीय स्तर पर प्रक्रिया को सरल बनाया जाएगा। सांसद उमेश पटेल ने कहा कि डिजिटल व्यवस्था का उद्देश्य नागरिकों को सुविधा देना है, लेकिन यदि वहीं व्यवस्था लोगों के लिए बाधा बन जाए, तो उसमें सुधार करना सरकार की जिम्मेदारी है। इसकी जानकारी दमण-दीव सांसद उमेश पटेल ने कार्यालय द्वारा जारी प्रेसनोट के माध्यम से दी गई है।

मोटी दमण उप कारागार में कैदियों के लिए कानूनी जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 25 मार्च। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण दमण और एडवोकेट बार एसोसिएशन दमण के सहयोग से आज मोटी दमण उप कारागार में कैदियों के लिए आज कानूनी जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण दमण की सदस्य सह सचिव एवं मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती प्रणिता पी. भारसकडे वाघ ने बंदियों-कैदियों को उनके अधिकारों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस कानूनी साक्षरता शिविर का उद्देश्य बंदियों को उनके कानूनी अधिकारों, जैसे मुफ्त कानूनी सहायता (बंदियों को उनके अधिकारों के प्रति शिक्षित करना, विशेषकर गरीब और असहाय कैदियों को जो वकील नहीं रख सकते), जमानत, और त्वरित सुनवाई के प्रति जागरूक करना है। शिविर में अधिवक्ता अल्पेशकुमार दमणिया ने प्ली बारगेनिंग के बारे में बताया कि यह एक ऐसी कानूनी प्रक्रिया है जिसमें आरोपी, सजा कम कराने के बदले में अपना अपराध स्वीकार करता है। यह अंडर ट्रायल्स (विचारधीन कैदियों) को जमानत, कानूनी सहायता और त्वरित सुनवाई का संवैधानिक अधिकार है। यह व्यवस्था जेलों में भीड कम करने और मुकदमों के शीघ्र निपटान में मदद करती है। वकील मयंक पटेल ने बताया कि बंदियों को निःशुल्क वकील उपलब्ध कराना और उनके मुकदमों की पैरवी सुनिश्चित करना है। वकील प्रिंस छीपा ने कार्यक्रम का संचालन और आभार प्रकट किया।

दमणः खारीवाड के श्री झरीमरी माता और श्री नीलकंठ महादेव मंदिर का मनाया गया पाटोत्सव

■ सुबह से शाम तक आयोजित विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का बडी संख्या में भक्तों ने लिया लाभ

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 25 मार्च। दमण के खारीवाड विस्तार स्थित श्री झरीमरी माता मंदिर का 19वां और श्री नीलकंठ महादेव मंदिर का 18वां पाटोत्सव आज हर्षोल्लासपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों में बडी संख्या में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। सुबह 9.40 बजे महापूजा की गई। इसके बाद सुबह 10.30 बजे से पालकी यात्रा निकाली गई। जिसमें बडी संख्या में श्रद्धालू शामिल हुए। इस अवसर पर डीएमसी काउंसिलर जयंती पटेल और दमण-दीव के पूर्व सांसद लालू पटेल मुख्य रुप से उपस्थित रहे। दोपहर 1 बजे से महाप्रसाद का आयोजन किया गया। जिसमें बडी संख्या में श्रद्धालुओं ने शामिल होकर महाप्रसाद ग्रहण किया।

ओबीसी मोर्चा के केन्द्रीय कार्यालय ने भाजपा नेता विशाल टंडेल को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में 20 सीटों की दी जिम्मेदारी, बनाया इंचार्ज

■ संघ प्रदेश थ्रीडी भाजपा ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति सदस्य और गुजरात राज्य भाजपा ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय प्रभारी विशाल टंडेल ने दादरा नगर हवेली और दमण-दीव में बसने वाले पश्चिम बंगाल के लोगों से की अपीलः बंगाल में डबल इंजन की सरकार बनाने में बने सहभागी ■ पश्चिम बंगाल के चुनाव प्रचार में होने की वजह से दमण में आयोजित होने वाले श्री राम जन्मोत्सव कार्यक्रम में शामिल न हो पाने पर विशाल टंडेल ने जताया खेद

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 25 मार्च। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव का बिगुल बज गया है। शीर्ष भाजपा नेतृत्व ने भाजपा पदाधिकारियों को चुनाव प्रचार सहित अन्य जिम्मेदारियां सौंप दी है। इसी क्रम में संघ प्रदेश थ्रीडी भाजपा ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति सदस्य और गुजरात राज्य भाजपा ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय प्रभारी विशाल टंडेल को पश्चिम बंगाल चुनाव में 24 साउथ परगना में 3 लोकसभा क्षेत्र की जिम्मेदारी सौंपी गई है। मथुरापुर, जॉयनगर और डायमंड हार्बर जिले की कुल 20 विधानसभा सीटों का विशाल टंडेल को इंचार्ज बनाया गया है। ओबीसी मोर्चा के केन्द्रीय कार्यालय द्वारा दी गई इस जिम्मेदारी को निभाने के लिए भाजपा नेता विशाल टंडेल पश्चिम बंगाल पहुंच चुके हैं। भाजपा नेता विशाल टंडेल ने प्रेसनोट जारी कर बताया है कि पश्चिम बंगाल के चुनाव में सौंपी गई इस जिम्मेदारी के लिए मैं भाजपा के शीर्ष नेतृत्व का विशेष आभार व्यक्त करता हूं। साथ ही उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रचार होने के चलते इस बार दमण में श्री रामनवमी पर आयोजित होने वाले राम जन्मोत्सव कार्यक्रम में शामिल न हो पाने के लिए खेद जताया और क्षमा भी मांगी है। उन्होंने कहा कि भगवान श्री राम के चरणों में मैं प्रार्थना करता हूं कि सबको सुख, शांति एवं समृद्धि प्रदान करें। आप सभी को रामनवमी को हार्दिक बधाई। भाजपा नेता विशाल टंडेल ने कहा कि बंगाल के जो भाई-बहन संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव में बसे हुए हैं वे अपने-अपने घरों में बंगाल में अपने मित्रमंडल, परिवार एवं सगे संबंधियों को इस बार भाजपा उम्मीदवार को जीताने के लिए सहयोग करें। उन्होंने कहा कि इस बार जो बदलाव की लहर चल रही है, उसमें शामिल होकर टीएमसी के कुशासन को निकालकर भाजपा का शासन स्थापित करें। उन्होंने कहा कि मैं लोगों से अपील करता हूं कि यह सही समय है कि पश्चिम बंगाल में भाजपा का शासन स्थापित कर डबल इंजन की सरकार बनाये। उन्होंने कहा कि जिस तरह से यूपी, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, गोवा और अन्य सभी राज्यों और प्रदेशों में डबल इंजन की सरकार है और जिस तेजी एवं रफ्तार से विकास हो रहा है उसी तरह से बंगाल में भी विकास होगा। युवाओं, महिलाओं एवं बुजुर्गों के लिए अनेक योजनायें बनेगी। इसके लिए मौका है कि इस चुनाव में भरपूर सहयोग देते हुए भारतीय जनता पार्टी के कमल निशान वाले सभी उम्मीदवारों को भारी बहुतमत से चुनाव जितायें और बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की सरकार की स्थापना करने में सहभागी बने।

बदलते पर्यावरण को समझने के लिए नासा-ईसरो तैयार

पीआईबी, अहमदाबाद 25 मार्च। पृथ्वी के निरीक्षण के लिए एक ऐतिहासिक भागीदारी में निसार (NASA-ISRO सिंथेटिक अपर्चर रडार) सैटेलाइट अभी स्पेस में धरती का चक्कर लगा रहा है। यह सैटेलाइट एक हाई-टेक माइक्रोस्कोप की तरह काम करता है जो धरती की सतह पर मिलीमीटर के साइज के बदलावों का भी पता लगा सकता है। NISAR मिशन, जेपीएल/नासा के एल-बैंड रडार और सेक/ईसरो के एस-बैंड रडार को मिलाकर, स्पेस से हमारी धरती की अब तक की सबसे पूरी और साफ तस्वीर देता है। 30 जुलाई 2025 को लॉन्च होने वाला यह मिशन एडवांस्ड रडार का इस्तेमाल करता है जो बादलों या अंधेरे के पार देख सकता है। इससे हमें बदलते इकोसिस्टम, पिघलते ग्लेशियर और धरती के नीचे की हलचल के बारे में सही जानकारी मिलेगी जो अब तक नामुमकिन थी। यह सैटेलाइट धरती के हर कोने की तस्वीरें लेकर कुदरती आफतों का अंदाजा लगाने और क्लाइमेट चेंज के असर को समझने के हमारे तरीके में बडा बदलाव लाएगा। वैज्ञानिक समुदाय को इस बड़े डेटा का इस्तेमाल करने के लिए तैयार करने के लिए 27 मार्च 2026 को अहमदाबाद में ईसरो के स्पेस एप्लीकेशन सेंटर (एसएसी) में एक नेशनल यूज़र मीट रखी गई है। इस इवेंट में भारत और अमेरिका के (नासा-जेपीए सहित) के करीब 300 एक्सपर्ट इस डेटा को जनता के लिए उपलब्ध कराने के प्लान को फाइनल करने के लिए एक साथ आएंगे। यह मीट सैटेलाइट के जटिल सिग्नल और उसके प्रैक्टिकल इस्तेमाल के बीच एक जरूरी कडी साबित होगी, ताकि रिसर्चर और स्टार्ट-अप इस जानकारी का इस्तेमाल एनवायरनमेंटल सॉल्यूशन खोजने के लिए कर सकें। यह मिशन ओपन डेटा और ओपन साइंस के एक नए युग की शुरुआत है, जहां स्पेस साइंस का सीधा फायदा आम आदमी को होगा। किसानों के लिए पानी की व्यवस्था से लेकर शहरी प्लानिंग में जमीन धंसने की समस्याओं को हल करने तक, ये टॉपिक ऐसे ऐप्स और सर्विसेज को पावर देंगे जो लोगों की जिंदगी और रोजी-रोटी की रक्षा करेंगे। अब जब निसार अपने शुरुआती टेस्टिंग फेज से बाहर आ रहा है, तो पूरी दुनिया पृथ्वी को एक नई और स्पष्ट नजरों से देखने के लिए तैयार है।

CHANGE OF NAME

I have changed my name from Old Name: DHANSUK BHAI RANCHOD BHAI AHIR to **New Name: DHANSUKHBHAI RANCHHODBHAI AHIR**, Resident of 649 BANDHADI,KALGAM,UMBERGAON,KALGAM,VALSAD,GUJARAT - 396140.

The Daman & Diu State Co-operative Bank Ltd.

For details, please scan

Extension of last date of application up to 13.04.2026

The Daman & Diu State Cooperative Bank Ltd., in furtherance to directions of NABARD, invites applications on plain paper with complete Bio-data from desirous candidates for hiring one "COOPERATIVE INTERNS" for a period of one year only for Diu District, on the terms and conditions contained in NABARD's circular dated 15.03.2024

Advt. no.2/2025-26
Published Date: 04.03.2026
Extension published date: 25.03.2026
Last Date of Form Submission: 13.04.2026

General Manager (HR/ADM), Head Office: H. No. 14/54, 1st Floor, Dilip Nagar, Nani Daman – 396210.
E-mail: adm@ddscbl.bank.in **Website:** https://ddscbl.bank.in

स्वामीः मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित। (समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)